राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्षः 11 | अंकः 198 | पृष्ठ : 08, | नई दिल्ली, रविवार, 30 जनवरी 2022 | मूल्यः 1.50/-

पेगासस पर घिरी सरकार का पलटवार

नई दिल्ली/एजेंसी।

अमेरिकी अख़बार न्यूयॉर्क टाइम्स ने शुक्रवार को अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि भारत ने इसराइली स्पाईवेयर पेगासस को ख़रीदा था। अंग्रेज़ी अख़बर द टेलिग्राफ़ में ये ख़बर दी गई है।

नरेंद्र मोदी सरकार ने पेगासस की ख़रीद की बात को ना तो स्वीकार किया है और ना ही इसे नकारा है। पिछले साल पेगासस जासूसी सॉफ़्टवेयर के ज़रिए कई देशों में नेताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के कॉल रिकॉर्ड करने की बात सामने आई थी। समें भारत का नाम भी शामिल था। विपक्षी दलों ने इसे लेकर सरकार की आलोचना की थी और जवाब मांगा था। हालांकि, सरकार ने विपक्ष के आरोपों को ग़लत बताया था। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट का एक पैनल इस मामले की जांच कर रहा है।

जासूसी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले इजराइली स्पाइवेयर पेगासस पर न्यूयॉर्क टाइम्स के खुलासे से मोदी सरकार एक बार फिर सवालों में घेरे में है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मोदी सरकार ने 2017 में एक डिफेंस डील में मिसाइल सिस्टम के साथ इसे खरीदा था। ये डील 2 बिलियन डॉलर की थी।

सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, 'मोदी सरकार ने हमारे लोकतंत्र की प्राथमिक संस्थाओं, राज नेताओं व जनता की जासूसी करने के लिए पेगासस ख़रीदा था। फोन टैप करके सत्ता पक्ष, विपक्ष, सेना, न्यायपालिका सब को निशाना बनाया है। ये देशद्रोह है। मोदी सरकार ने देशद्रोह किया है।

इधर, विपक्ष के हमले के बाद केंद्रीय मंत्री वी के सिंह ने भी पलटवार किया है। उन्होंने 'न्यूयॉर्क टाइम्स% (ह्ङ्ङ्घ) को सुपारी मीडिया करार दिया और साथ ही उसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सड़क परिवहन और राजमार्ग तथा नागर विमानन राज्य मंत्री सिंह ने ट्वीट कर कहा, 'क्या आप ह्ङ्ङ्घ पर भरोसा कर सकते हैं? उसे 'सुपारी मीडिया के रूप में जाना जाता है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मोदी सरकार ने भारत के दुश्मनों की तरह काम क्यों किया और भारतीय नागरिकों के खिलाफ पेगासस का इस्तेमाल किया? उन्होंने कहा, पेगासस के जरिए जासूसी करना देशद्रोह है। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है और हम सुनिश्चित करेंगे कि न्याय मिले।

यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा, भारत ने 2017 में इजराइल के साथ रक्षा सौदे के तहत पेगासस को खरीदा था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट से साबित हो गया है कि चौकीदार ही जूसूस है।

कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कहा, भारत सरकार ने 2 अरब डॉलर के वेपन पैकेज के हिस्से के रूप में 2017 में इजरायली स्पाइवेयर पेगासस खरीदा। यह प्रमाण है कि भाजपा सरकार ने राहुल गांधी समेत भारत के नागरिकों पर जासूसी करने के लिए मिलिट्री ग्रेड स्पाइवेयर का इस्तेमाल किया। इसकी जवाबदेही होनी चाहिए!

बैकफुट पर SBI:3 महीने से ज्यादा की गर्भवती महिलाओं को बताया था अनफिट

विरोध के बाद बैंक ने भर्ती नियम वापस लिया

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारतीय स्टेट बैंक ने तीन महीने से ज्यादा की प्रेग्नेंट महिलाओं को 'टेंपरेरी अनफिट' कहकर भर्ती नियम बदला था। इस पर बढ़ते विरोध और दिल्ली महिला आयोग के नोटिस के बाद बैंक ने यह नियम वापस ले लिया है। SBI ने प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि वह भावनाओं का ध्यान रखते हुए बदले हुए भर्ती नियमों पर रोक लगा रहा है। आगे होने वाली भर्तियां पुराने नियमों के आधार पर ही की जाएंगी।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने इस मामले पर SBI को नोटिस जारी किया था। स्वाति ने मांग की थी कि ऐसे दिशा-निर्देशों के पीछे की प्रक्रिया के गठन और उन्हें मंजूरी देने वाले अधिकारियों के नाम शेयर करें।

नियम को बताया था भेदभावपूर्ण

स्वाति ने इस मामले में ट्वीट करते हुए लिखा- भारतीय स्टेट बैंक ने 3 महीने से ज्यादा गर्भवती महिलाओं को सर्विस में शामिल होने से रोकने के निर्देश जारी किए हैं और उन्हें 'अस्थाई रूप से अयोग्य' भी क़रार दिया। यह भेदभावपूर्ण भी है और अवैध भी। हमने उन्हें इस महिला-विरोधी नियम को वापस लेने की मांग करते हुए नोटिस जारी किया है।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल का कहना है कि कोई बैंक इस तरह के आधार बनाकर किसी महिला को नौकरी से कैसे मना कर सकता है, इसीलिए उन्होंने बैंक को नोटिस भेज इस गाइडलाइन को वापस लेने को कहा है।

SBI की नई गाइडलाइन में यह था

दरअसल, बैंक ने 31 दिसंबर 2021 को नए लोगों की भर्ती या प्रमोशन पाने वालों के लिए नई मेडिकल फिटनेस गाइडलाइन जारी की थी। जारी गाइडलाइन के मुताबिक, 3 महीने से अधिक की गर्भवती महिला उम्मीदवारों को अस्थाई रूप से अनफिट और अयोग्य माना जाएगा। हालांकि, बैंक ने यह भी कहा था कि बच्चे के जन्म के 4 महीने के बाद महिलाएं काम पर आ सकती हैं।

बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी का समापन

नई दिल्ली/एजेंसी।

राष्ट्रीय राजधानी के विजय चौक पर आयोजित बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी के साथ ही गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह का समापन हो गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई गणमान्यों में हिस्सा लिया। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी में भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड ने कुल 26 धुनें बजाकर सभी का दिल जीत लिया। विजय चौक पर तीनों सेनाओं द्वारा बैंड का प्रस्तुति किए जाने के बाद ड्रोन शो का आयोजन हुआ।

10 मिनट तक चलने वाले ड्रोन शो में तकरीबन 1000 ड्रोन ने आसमान में नए भारत का परचम लहराया।

इससे पहले लेजर शो का आयोजन हुआ। जिसमें मजबूत हिन्दुस्तान की धरोहर की प्रस्तुति हुई।

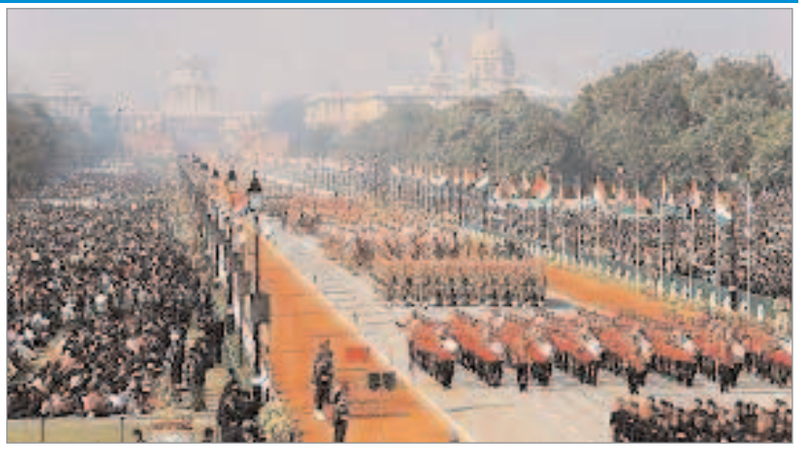

आपको बता दें कि बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी के साथ ही गणतंत्र दिवस समारोह का समापन होता है। साल 1950 से बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी का आयोजन हो रहा है और इसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पसंदीदा धुन अबाइड विथ मी बजाई जाती है लेकिन आजादी के 75 साल में आयोजित हुई बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी में देशभक्ति गीत ऐ मेरे वतन के लोगों को प्राथमिकता दी गई।

गौरतलब है कि अबाइड विथ मी की रचना स्कॉटिश एंजलिकन कवि और भजन ज्ञानी हेनरी फ्रांसिस लाइट ने सन 1847 में की थी और साल 1950 से ही यह बीटिंग रिट्रीट समारोह का हिस्सा है। लेकिन भारतीय सेना ने साफ कर दिया था कि इस साल के समारोह में इसे शामिल नहीं किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2022 में भारत की बिजली की मांग 8-10 फीसदी बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा है कि वित्त वर्ष 2022 के दौरान भारत में बिजली की मांग अब 8-10 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है।

ब्रोकरेज हाउस ने पहले वित्त वर्ष 22 में बिजली की मांग में 12 प्रतिशत की वृद्धि की भविष्यवाणी की थी।

तदनुसार, जनवरी 2022 में बढ़ते कोरोना मामलों के कारण लंबे समय तक सर्दी और मांग में व्यवधान के कारण मांग की उम्मीद में गिरावट का मुख्य कारण है।

विशेष रूप से, वाईटीडीएफवाई22 अवधि में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर समग्र मांग में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा, प्रस्तावित विद्युत संशोधन विधेयक 2021 में अब देरी हो रही है, क्योंकि केंद्र ने बिजली सब्सिडी पर डीबीटी को हटा दिया है, इसके अलावा एक नया विद्युत अनुबंध प्रवर्तन प्राधिकरण बनाने के प्रावधान को छोड़ दिया है।

हालांकि, सीसीईए ने 3.03 ट्रिलियन रुपये के सुधार से जुड़े पैकेज को मंजूरी दे दी है। हम अगले 3-4 वर्षों में डिस्कॉम से बेहतर बुनियादी ढांचे केपेक्स की उम्मीद कर सकते हैं। यह हमारे विचार में, एटी एंड सी घाटे को कम करेगा, एसीएस-एआरआर गैप को खत्म कर देगा और डिस्कॉम स्पेस में निजी भागीदारी को बढ़ावा देना।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने साल-दर-साल आधार पर बिजली की मांग में केवल 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, क्योंकि चरम सर्दियों की शुरूआत में तापमान कम था। रिपोर्ट में कहा गया है, एमटीडी (महीने-दर-तारीख) जनवरी -22 की अवधि में भी, मांग में वृद्धि 1.5 प्रतिशत सालाना रही, जिसका मुख्य कारण बढ़ते कोविड मामलों के कारण राज्यों में आंशिक रूप से तालाबंदी करना था।

कम बिजली की मांग और बेहतर कोयले की आपूर्ति ने अक्टूबर -21 के महत्वपूर्ण स्तर की तुलना में स्टेशनों पर कोयले के स्टॉक में 3 गुना की वृद्धि की।

रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर -21 में बिजली क्षेत्र में कोयला प्रेषण 41.5 प्रतिशत बढ़कर 63.3 मीट्रिक टन हो गया।

दिसंबर-21 में आधार घाटा मामूली रूप से बढ़कर 0.4 प्रतिशत हो गया, जबकि शिखर घाटा 0.1 प्रतिशत बनाम 0.6 प्रतिशत महीने-दर-महीने तक गिर गया।

पंजाब में आप की सरकार बनने पर अगले पांच साल टैक्स में बढ़ोतरी नहीं : केजरीवाल

नई दिल्ली/जालंधर। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि पंजाब में आप की सरकार बनने पर अगले पांच साल में कोई टैक्स नहीं बढ़ाया जाएगा और 24 घंटे मुफ़्त बिजली दी जायेगी। केजरीवाल ने पंजाब के जालंधर में व्यापारियों के साथ बैठक की और शहरों के विकास के लिए 11 प्वाइंट एजेंडे पर काम करने की गारंटी देते हुए कहा कि पंजाब में आप की सरकार बनी, तो अगले पांच साल में कोई टैक्स नहीं बढ़ाया जाएगा।

पंजाब में भी रेड बंद करेंगे, मौजूदा उद्योग के मसले हल करेंगे और नई इंडस्ट्री लगाने के लिए इंसेंटिव दिए जाएंगे। शहरों की सफाई व्यवस्था ठीक करेंगे। 24 घंटे व फ्री बिजली देंगे और 24 घंटे पीने का पानी देंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली की तरह पंजाब में भी डोरस्टेप डिलीवरी शुरू करेंगे और बिजली के केबल भूमिगत करेंगे। हम अस्पताल व क्लीनिक को अच्छे करेंगे और उसमें सभी का सारा इलाज मुफ्त होगा। सीसीटीवी कैमरे लगाएंगे, मार्केट की सड़कें और पार्किंग को ठीक करेंगे। आपने 26 साल कांग्रेस को और 19 साल बादल परिवार को देकर देख लिया। अब इनके पास करने को कुछ नया नहीं है। हम नए हैं, हमारे पास उर्जा है, प्लान है और अच्छी नीयत है। एक बार हमें पांच साल देकर देख लो। हमने दिल्ली में लोगों का दिल जीता है, आपका भी दिल जीतना है।

UP की 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी AIMIM

लखनऊ/एजेंसी ।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के चलते सियासी घमासान मचा हुआ है। इसी बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अभी दोनों के भीतर यह प्रतियोगिता चल रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बड़ा हिंदू कौन है। यहां पर समाजिक न्याय की लड़ाई नहीं हो रही है।

आप बात करिए अल्पसंख्यक समाज की, पिछड़ा समाज की। आप इन लोगों के जस्टिस की बात नहीं कर रहे हो।

लड़ाई पूरी यह है कि योगी बड़ा हिंदू है या अखिलेश बड़ा हिंदू है। दोनों के भीतर यह प्रतियोगिता है कि मोदी से बड़ा हिंदू कौन बन जाएगा। समाजिक न्याय की लड़ाई हो रही है क्या ? नहीं हो रही है। इसी बीच पत्रकार ने ओवैसी से पूछा कि अभी तक बी पार्टी होने का आरोप लगता आ रहा है। जिस पर उन्होंने कहा कि ए प्लस हो चुके हैं।

सांप्रदायिकता की आंच में गुजरात

युवक की हत्या के बाद अब लड़की पर हमला

राधनपुर/ एजेंसी।

गुजरात के धंधुका शहर में भरवाड समाज के हिंदू युवक की हत्या से उपजे तनाव में एक और कड़ी जुड़ गई है। यहां के राधनपुर में गुरुवार दोपहर एक मुस्लिम लड़के ने घर में घुसकर चौधरी परिवार की हिंदू लड़की पर चाकू से हमला बोल दिया था।

लड़की की हालत बिगड़ने पर उसे शनिवार को शहर के दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया गया है।

हिंदू संगठनों ने आज शहर में बंद का ऐलान किया है। हालात इसलिए ज्यादा तनावपूर्ण हो गए हैं, क्योंकि चौधरी, भारवाड और ठाकोर समाज के करीब 15 हजार लोग इकट्ठा होकर इन दोनों वारदात के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। तनाव की स्थिति देखते हुए राधनपुर में भी पुलिस बंदोबस्त चुस्त कर दिया गया है।

रैली की इजाजत मिलने से पहले ही हजारों की तादाद में जमा हुए लोग

घटना के विरोध में चौधरी और भरवाड समाज के अग्रणियों ने आज शहर में रैली निकालने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, अभी तक रैली को मंजूरी नहीं मिली है। लेकिन, इससे पहले ही 15 हजार से ज्यादा लोग इकट्ठा होकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें ठाकोर समाज भी शामिल हो गया है। प्रदर्शन में भाजपा नेता शंकर चौधरी समेत बनासकांठा बैंक के अध्यक्ष अंदाभाई पटेल, डीसा के विधायक शशिकांत पंड्या और राधनपुर के पूर्व विधायक लविंगजी ठाकोर भी शामिल हैं।

अब्दुल्ला आज़म के खिलाफ FIR

प्रचार के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप

नई दिल्ली/एजेंसी।

कोरोना काल में चुनावी तैयारी करना हर पार्टी के लिए एक चुनौती बन गया है। रैली पर रोक है और कई तरह की पाबंदियां लगी हुई हैं, ऐसे में प्रचार कैसे किया जाए, ये सभी दलों के लिए बड़ा सवाल है। अब इस बीच आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान के खिलाफ स्न्द्धक्र दर्ज की गई है। आरोप है कि उन्होंने डोर टू डोर प्रचार के दौरान कोरोना नियमों का पालन नहीं किया। जब उनके प्रचार का वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने एक्शन लेते हुए शिकायत दर्ज की। जनपद रामपुर में अब्दुल्ला आजम के खिलाफ थाना टांडा में आचार संहिता के उल्लंघन में एफआईआर दर्ज की गई है। चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन धारा 188,269 द्घक्ष्, धारा 3 महामारी अधिनियम और धारा 51 आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है वीडियो को आधार बनाकर उपनिरीक्षक में दर्ज कराई एफआईआर में अब्दुल्ला आजम व 26 अन्य नामजद आरोपियों व 60-70 ना-मालूम आरोपियों के नाम शामिल हैं।

अभी तक इस एक्शन पर अब्दुल्ला आजम खान की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वैसे इससे पहले समाजवादी पार्टी को भी चुनाव आयोग का नोटिस गया था। उन्होंने भी लखनऊ वाले कार्यक्रम में वर्चुअल भीड़ के नाम पर भारी भीड़ इकट्ठा की थी। तब कोई एक्शन तो नहीं लिया गया, लेकिन चेतावनी देकर छोड़ा गया।

10 फरवरी से 7 मार्च तक एग्जिट पोल पर रोक

उत्तर प्रदेश चुनावों को लेकर निर्वाचन आयोग का बड़ा फैसला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश को लेकर दिखाए जाने वाले एग्जिट पोल पर 10 फरवरी की सुबह 7 बजे से लेकर 7 मार्च की शाम 6 बजकर 30 मिनट तक रोक रहेगी। इस दौरान एग्जिट पोल को न तो प्रिंट माध्यम से और न ही इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रसारित किया जा सकता है। अगर कोई व्यक्ति राज्य निर्वाचन आयोग के आदेश का उल्लंघन करता है तो उसे 2 साल तक की सजा हो सकती है और उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में सात चरणों में मतदान होने वाला है। पहले चरण में 10 फरवरी को 11 जिलों की 58 सीटों पर मतदान होगा।

इसमें शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, हापुड़, बुलंदशहर जिले प्रमुख हैं। जबकि दूसरे चरण में 14 फरवरी को 9 जिलों की 55 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। इसके बाद क्रमशः 20 फरवरी, 23 फरवरी, 27 फरवरी, 3 मार्च और 7 मार्च को मतदान होगा।

तख्तापलट पर अफ्रीकी गुट ने बुर्किना फासो की सदस्यता निलंबित की

अकरा। पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय (इकोवास) ने घोषणा की है कि उसने सैन्य तख्तापलट को लेकर बुर्किना फासो की सदस्यता निलंबित कर दी है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान क्षेत्रीय निकाय के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों द्वारा यह निर्णय लिया गया।

बुर्किना फासो की सेना ने सोमवार को राष्ट्रीय टेलीविजन पर घोषणा की है कि उन्होंने सत्ता पर कब्जा कर लिया है और राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन कबोर के कार्यों को समाप्त कर दिया है।

विज्ञप्ति में कहा गया कि सेना ने अन्य सभी राजनीतिक बंदियों के साथ उनकी तत्काल रिहाई की मांग करते हुए, दबाव में राष्ट्रपति कबोर का इस्तीफा प्राप्त किया था।

सेना द्वारा संवैधानिक व्यवस्था की त्वरित बहाली की मांग करते हुए विज्ञप्ति में कहा गया कि प्राधिकरण असंवैधानिक तरीकों से सत्ता में आने के लिए जीरो टॉलरेंस को बनाए रखने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

विज्ञप्ति के अनुसार, सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति का आकलन करने के लिए क्षेत्रीय निकाय की चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और मंत्रिपरिषद की समिति के नेतृत्व में क्रमशः दो मिशन बुर्किना फासो भेजे जाएंगे।

विज्ञप्ति के अनुसार, बुर्किना फासो, गिनी और माली में स्थिति की फिर से जांच करने के लिए इकोवास नेतृत्व 3 फरवरी को घाना की राजधानी में फिर से बैठक करेगा।

दक्षिण कोरिया में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के मामलों में तेजी, कुल 17,500 केस दर्ज

सियोल । दक्षिण कोरिया में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के मामलों में तेजी आई है। शनिवार को आए मामलों ने एक नया रिकॉर्ड बनाया है।

समाचार एजेंसी योनहाप ने कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि देश में कोरोना के 17,542 नए मामले सामने आए, जिनमें 17,349 स्थानीय है। इसी के साथ कुल मामलों की संख्या बढ़कर 811,122 हो गई है।

कोरोना से बीते 24 घंटे में 34 लोगों की मौत हुई है, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 6,712 हो गई। देश में डेथ रेट 0.83 प्रतिशत है।

गंभीर रूप से बीमार कोरोना मरीजों की संख्या 288 है जो पिछले दिन की तुलना में 28 कम है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी ने

कहा कि अगले कई हफ्तों में संक्रमण की संख्या एक दिन में 100,000 तक बढ़ सकती है।

दक्षिण कोरिया ने ओमिक्रॉन लहर से निपटने के लिए शनिवार को एक संशोधित वायरस प्रतिक्रिया प्रणाली शुरू की।

सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों और बड़े अस्पतालों में स्थापित लगभग 250 परीक्षण केंद्र रैपिड एंटीजन स्व-परीक्षण और पोलीमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) परीक्षण दोनों को अपनाएंगे। लोग चुन सकते हैं कि वे इनमें से किसे करवाना चाहते हैं।

पीसीआर परीक्षणों के लिए 60 से अधिक या उच्च जोखिम वाले समूहों, जैसे अंतर्निहित बीमारियों वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी।

गुरुवार से स्थानीय अस्पताल और क्लीनिक भी स्व-परीक्षण किट का प्रबंध करेंगे।

बुधवार तक चलने वाले तीन दिवसीय लूनर न्यू ईयर की छुट्टी के बाद देशभर में इस प्रणाली का विस्तार होगा।

शुक्रवार को स्थानीय मामलों में से, ग्योंगगी प्रांत में 5,588 नए कोरोना मामले दर्ज किए। इसके बाद सियोल में 4,166 और पश्चिमी बंदरगाह शहर इंचियोन में 1,599 मामले सामने आए।

केडीसीए ने कहा कि शनिवार तक, 2.685 करोड़ लोगों, या देश की 5.2 करोड़ आबादी में से 52.3 प्रतिशत को बूस्टर शॉट मिले हैं। पूरी तरह से टीकाकरण कराने वालों की संख्या 4.397 करोड़ है, जो 85.7 प्रतिशत है।

ट्यूनीशिया ने आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोप में महिला को किया गिरफ्तार

ट्यूनिस। आतंकवादी हमले की साजिश रचने के संदेह में ट्यूनिस-कार्थेज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक 22 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया है। ये घोषणा ट्यूनीशिया के आंतरिक मंत्रालय ने की।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने शनिवार को मंत्रालय के एक बयान में कहा, 10 जनवरी को, नेशनल गार्ड के तहत आतंकवाद विरोधी यूनिट ने ट्यूनिस-कार्थेज हवाई अड्डे पर एक तुर्की से आई 22 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है।

मंत्रालय के अनुसार बयान में महिला ने कहा कि उसने 2020 की गर्मियों में तुर्की और फिर 2021 में सीरिया की यात्रा एक सीरियाई नागरिक की मदद से की, जहां वह एक आतंकवादी संगठन में शामिल हो गई और ट्यूनीशिया के पर्यटन स्थलों में से एक में उसे आत्मघाती मिशन के लिए प्रशिक्षित किया गया। संदिग्ध ने कहा कि उसने सीरिया में रहने के दौरान एक ट्यूनीशियाई नागरिक के साथ संवाद किया था, जो ट्यूनीशियाई धरती पर उतरने के बाद उसे एक विस्फोटक बेल्ट से लैस करने जा रहा था।

अधिकारियों के अनुसार, जांच से पता चला है कि ट्यूनीशिया में महिला के साथी को पिछले साल के अंत में राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ हमले की योजना बनाने और आयोजन करने में शामिल होने के लिए हाल ही में कैद किया गया था।

जापान निकट कोविड संपर्कों के लिए क्वारंटीन अवधि को करेगा कम

टोक्यो। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि जापान कोविड -19 से संक्रमित किसी व्यक्ति के निकट संपर्क में आने वाले लोगों के लिए क्वारंटीन अवधि को मौजूदा 10 दिनों से घटाकर सात दिन कर देगा।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अत्यधिक संक्रामक ओमिक्रॉन वेरिएंट के कारण देश भर में संक्रमण की छठी लहर के बीच यह निर्णय लिया गया है। शुक्रवार को, जापान ने 81,811 नए मामले दर्ज किए, अकेले टोक्यो ने 17,631 मामलों की रिपोर्टिंग की। किशिदा ने कहा कि निर्णय विशेषज्ञों की राय और नए वैज्ञानिक साक्ष्य के आलोक में किया गया है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा उपचार, पुलिस, बाल देखभाल और नर्सिंग देखभाल के क्षेत्र में आवश्यक श्रमिकों के लिए क्वारंटीन दिनों को दो कोविड -19 परीक्षणों के संयोजन के माध्यम से वर्तमान छह दिनों से घटाकर पांच दिन कर दिया जाएगा। 14 जनवरी को, जापानी सरकार ने क्वारंटीन अवधि को 14 दिनों से घटाकर 10 दिन कर दिया था, लेकिन अन्य लोगों के बीच व्यापार समुदाय ने नए वेरिएंट की विशेषताओं के आलोक में इसे और छोटा करने के लिए कहा है। जापान के नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इंफेक्शियस डिजीज के मुताबिक, वायरस के संपर्क में आने के 10वें दिन ओमिक्रॉन से लक्षण विकसित होने की संभावना 1 फीसदी से भी कम है, जबकि सातवें दिन 5 फीसदी तक रहती है।

रूस ने यूरोपीय संघ के और अधिकारियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया

मॉस्को । रूसी विदेश मंत्रालय ने घोषणा करते हुए कहा कि कुछ यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों के अतिरिक्त अधिकारियों को मॉस्को के खिलाफ उनके कार्यों के लिए देश में प्रवेश करने से रोक दिया गया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये कानून प्रवर्तन एजेंसियों, विधायी और कार्यकारी अधिकारियों के प्रतिनिधि रूसी विरोधी नीतियों और उपायों को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार हैं जो रूसी भाषी निवासियों और मीडिया के वैध अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।

कोविड-19 पाबंदियों के कारण पाकिस्तानी श्रद्धालुओं की भारत यात्रा में देरी हुई :पाकिस्तानी सांसद

इस्लामाबाद, 29 जनवरी (वेव वार्ता)। पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी के एक प्रमुख हिंदू सांसद ने कहा है कि उनकी धार्मिक पर्यटन पहल के तहत एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा में विलंब हुआ है क्योंकि नयी दिल्ली को कोविड-19 संबंधी पाबंदियों के कारण पर्यटकों के लिए व्यवस्था करने के वास्ते समय चाहिए।

उनका यह बयान तब आया जब भारत ने कहा कि उसने इस मामले पर ''सकारात्मक रुख'' अपनाया है और वह इस पर इस्लामाबाद के साथ संवाद को इच्छुक है।

भारत ने शुक्रवार का कहा था कि तीर्थ स्थलों की यात्रा को लेकर 1974 के प्रोटोकॉल के तहत धार्मिक स्थलों के बारे में सहमति के आधार पर तैयार की गई सूची एवं यात्रा के तौर तरीकों का विस्तार करना भारतीय और पाकिस्तानी पक्षों के हित में है तथा इस मामले में उसका सकारात्मक रुख है। इसने कहा था कि वह इस मामले में पाकिस्तान से संवाद को इच्छुक है।

पाकिस्तान हिंदू काउंसिल के प्रमुख संरक्षक और प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सांसद डॉ. रमेश कुमार वंकवानी ने शुक्रवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि यात्रा में विलंब हुआ है।

उन्होंने कहा, ''यात्रा में देरी हुई है क्योंकि भारत को कोविड-19 स्थिति के कारण व्यवस्था करने के लिए वक्त चाहिए लेकिन यह रद्द नहीं हुई है।'' उन्होंने लोगों से इस यात्रा के लिए पंजीकरण कराने का भी अनुरोध किया।

वंकवानी ने सोमवार को घोषणा की थी कि वह 29 जनवरी को भारत में पाकिस्तानी तीर्थयात्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। हालांकि, बाद में यह पता चला कि उन्होंने भारत की मंजूरी के बिना यह घोषणा की थी।

वंकवानी की पहल पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता आसिम इफ्तिखार अहमद ने मीडिया को बताया कि भारत की यात्रा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान हिंदू काउंसिल की पहल है।

उन्होंने कहा कि नए साल की शुरुआत में भारत के तीर्थयात्रियों के एक बड़े समूह ने टेरी मंदिर और पाकिस्तान में अन्य धार्मिक स्थलों का दौरा किया। उन्होंने कहा, ''हम समझते हैं कि पाकिस्तान हिंदू काउंसिल इस पहल को जारी रखना चाहती है। हम इस विचार का समर्थन करते हैं और हम मानते हैं कि भारत का भी सकारात्मक रुख है।''

बगदाद हवाई अड्डे पर रॉकेट हमला

इराक को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करना है उद्देश्य

बगदाद । बगदाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाकर किए गए एक रॉकेट हमले ने दो यात्री विमानों और रनवे को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसका उद्देश्य इराक की प्रतिष्ठा को कम करके अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करना है। ये जानकारी अधिकारियों ने दी।

प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी को उनके मीडिया कार्यालय ने एक बयान में उद्धृत किया कि हवाई अड्डे पर शुक्रवार का रॉकेट हमला इराक की प्रतिष्ठा को कमजोर करने की एक कोशिश है, जिसे हमने इराकी हवाई अड्डों पर अंतर्राष्ट्रीय उड़ान मानकों को खतरे में डालकर और आंतरिक सुरक्षा के बारे में संदेह का माहौल फैलाने के माध्यम से क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहाल करने का प्रयास किया है।

बयान के अनुसार, अल-कदीमी ने सभी राजनीतिक दलों से इस खतरनाक हमले की स्पष्ट अस्वीकृति और निंदा व्यक्त करने का आह्वान किया, क्योंकि इस तरह के हमलों पर चुप्पी रखने से अपराधियों के लिए एक राजनीतिक आश्रय मिलता है।

प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने से रोकने

के प्रयासों के तहत अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से इराक से और उसके लिए यात्रा या हवाई परिवहन पर प्रतिबंध नहीं लगाने का भी आग्रह किया।

इससे पहले दिन में, आंतरिक मंत्रालय के एक सूत्र ने सिन्हुआ को बताया कि रॉकेट हमले को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास एक सैन्य अड्डे पर विजय बेस पर निर्देशित किया गया था, जिसमें कई अमेरिकी विशेषज्ञ और संगठन रहते हैं।

सूत्र ने कहा कि वायु रक्षा प्रणाली द्वारा चार रॉकेटों को मार गिराया गया, जबकि एक विमान सहित अन्य दो लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

इराकी ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड (जेओसी) के मीडिया कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, अज्ञात मिलिशिया ने हवाई अड्डे के क्षेत्र में छह कत्युशा रॉकेट दागे, जिससे दो नागरिक विमान क्षतिग्रस्त हो गए।

जेओसी के बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने घटना की जांच शुरू की और अपराधियों के बारे में कुछ सुराग मिले, जिन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन मिलिशिया अक्सर इराकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हैं, जहां पूरे इराक में अमेरिकी सैन्य सलाहकार रहते हैं।

इराकी नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अनुसार, बगदाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे सहित देशभर के सभी हवाई अड्डों पर उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं।

हमले के बाद, प्रसिद्ध शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सद्र के नेतृत्व में सदरिस्ट गुट ने एक ट्वीट में वादा किया था कि इराक को आतंकवाद और अनियंत्रित हथियारों से मुक्त करें। एक अलग ट्वीट में, सदरिस्ट मूवमेंट के प्रमुख हसन अल-अधारी ने कहा, सरकारी सुविधाओं, विशेष रूप से बगदाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को लक्षित करना, इराक के दुश्मनों की कार्रवाइयों में से एक है जो अंतर्राष्ट्रीय और आर्थिक रूप से इराक को अलग करना चाहते हैं।

बयान में सभी इराकी दलों से निंदा से आगे बढ़ने और इसके (हमले) पीछे उन लोगों को बेनकाब करने के लिए तेजी से एक साथ आने का आग्रह किया।

संयुक्त राष्ट्र ने आपातकालीन कोष से यमन के लिए दो मिलियन डॉलर जारी किए

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने यमन में 2,70,000 लोगों के लिए आपातकालीन कोष में दो करोड़ मानवीय हवाई परिवहन सहित प्रतिक्रिया का समर्थन करने के लिए परिचालन क्षमता को बढ़ाने में भी

डॉलर जारी किए हैं, इनमें वे लोग भी शामिल हैं जो हाल के हवाई हमलों में मारे गए हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उप प्रवक्ता फरहान हक के हवाले से कहा कि संयुक्त राष्ट्र के आपातकालीन राहत समन्वयक मार्टिन ग्रिफिथ्स ने मारिब, अल-जॉफ और हद्रामाउट में लोगों के लिए मानवीय राहत का समर्थन करने के लिए केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया कोष से धन आवंटित किया। हक ने एक नियमित ब्रीफिंग में संवाददाताओं से कहा, यह मदद करेगा।

एक हफ्ते पहले, सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा त्वरित उत्तराधिकार में तीन हवाई हमलों ने उत्तरी शहर सादा में हौथी विद्रोहियों द्वारा संचालित सुविधा को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि यमन में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के कर्मचारी इस सप्ताह सादा में हवाई हमले के बाद जानकारी एकत्र कर रहे थे। नागरिकों के हताहत होने की पुष्टि करने वाली टीम ने कहा कि उसे 91 बंदियों के मारे जाने की रिपोर्ट मिली है।

चीन ने अगले 5 वर्षों के लिए महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष अन्वेषण योजनाओं का खुलासा किया

बीजिंग।

चीन का लक्ष्य अपने अंतरिक्ष बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और लोगों को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए अगली पीढ़ी का अंतरिक्ष यान विकसित करना है, साथ ही यह जांच करना है कि अगले पांच वर्षों में लोगों को चंद्रमा पर कैसे उतारा जाए।

वर्ज ने बताया, शुक्रवार को जारी एक नए श्वेत पत्र में, चीन ने 2016 के बाद से अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ अंतरिक्ष अन्वेषण की विस्तृत योजना बनाई है।

उपलब्धियों में अंतरिक्ष क्षमताओं का विस्तार, इसके प्रक्षेपण की आवृत्ति और दायरे में वृद्धि और मंगल के रोबोटिक अन्वेषण जैसे नए क्षेत्रों में आगे बढ़ना शामिल है।

चीन ने चंद्र अन्वेषण का एक दीर्घकालिक अभियान भी चलाया है जिसमें हर कुछ वर्षों में चंद्र सतह पर लैंडर्स और रोवर्स की एक श्रृंखला भेजना शामिल है।

2019 में, देश चंद्रमा के सबसे दूर पर रोवर उतारने वाला पहला देश बना और 2020 में चीन चंद्रमा के नमूने वापस पृथ्वी पर लाया।

2021 में, देश ने एक नए अंतरिक्ष स्टेशन का मुख्य मॉड्यूल भी लॉन्च किया, जिसे पृथ्वी के चारों ओर कक्षा में बनाया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में स्टेशन पर तीन अंतरिक्ष यात्री रह रहे हैं।

अगले पांच वर्षों में, चीन चंद्र ध्रुवीय क्षेत्रों, चंद्र सतह के उन क्षेत्रों का अध्ययन करने के लिए चंद्रमा पर दो अतिरिक्त रोबोटिक अंतरिक्ष यान भेजने की योजना बना रहा है, जिन्हें पानी की बर्फ का घर माना जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पहली जांच चंद्र नमूने लौटाएगी जबकि दूसरी स्थायी छाया वाले क्षेत्र में होपिंग डिटेक्शन करेगी।

श्वेत पत्र के अनुसार, देश अपनी अगली चंद्र जांच की योजनाओं का अध्ययन करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय शोध केंद्र बनाने के लिए काम करने जा रहा है।

चंद्रमा के अलावा, चीन अगले पांच वर्षों में पृथ्वी के निकट क्षुद्रग्रहों की जांच शुरू करने के साथ-साथ बृहस्पति प्रणाली और मंगल ग्रह पर फिर से अंतरिक्ष यान भेजने के तरीकों का अध्ययन करने की भी उम्मीद करता है, जिसमें लाल ग्रह से नमूने वापस लाने की योजना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि श्वेत पत्र में सूचीबद्ध अन्य अंतरिक्ष लक्ष्यों में चीन के अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण, उसकी उपग्रह प्रौद्योगिकियों को अद्यतन करना, अंतरिक्ष परिवहन और रॉकेट सिस्टम में सुधार करना, नए रॉकेट इंजन बनाना शामिल हैं।

कोरोना का माइल्ड संक्रमण भी फेफड़े को पहुंचा सकता है नुकसान : रिपोर्ट

लंदन। ब्रिटेन में किए गए एक छोटे से पायलट अध्ययन से पता चला है कि हल्के कोविड संक्रमण वाले लोगों में बीमारी के शुरूआती दौर के बाद उनके फेफड़ों को हानि पहुंचने की संभावना है।

जबकि पहले कोविड के गंभीर लक्षण वाले लोगों में यह देखा गया था।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययन में ऑक्सफोर्ड, शेफील्ड, कार्डिफ और मैनचेस्टर विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं ने फेफड़ों की असामान्यताओं का पता लगाने के लिए एक नई जेनन गैस स्कैन पद्धति का इस्तेमाल किया, जिन्हें नियमित स्कैन से पहचाना नहीं गया था।

टीम ने लोगों के तीन समूहों में जेनन गैस स्कैन और अन्य फेफड़ों के कार्य परीक्षणों की तुलना की।

एमआरआई स्कैन के दौरान सभी प्रतिभागियों ने जेनन गैस में श्वास लिया।

रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिक यह देखने में सक्षम थे कि यह फेफड़ों से रक्तप्रवाह में कितनी अच्छी तरह से चला गया है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि लंबे समय तक रहने वाले अधिकांश लोगों के लिए, स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में गैस हस्तांतरण कम प्रभावी था।

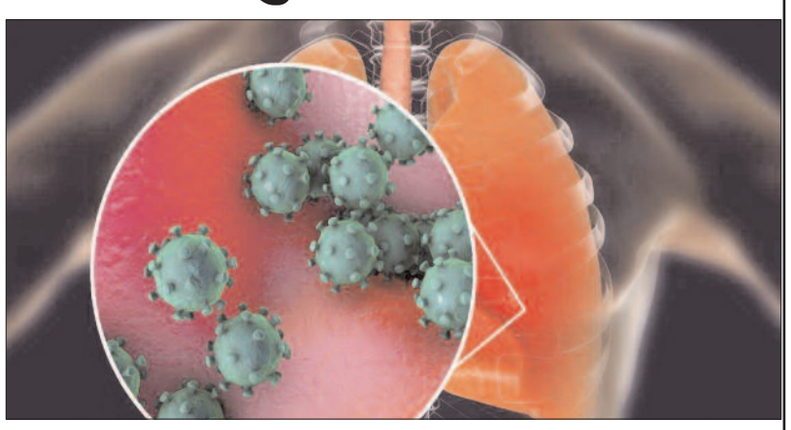

जिन लोगों को कोविड के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उनमें समान असामान्यताएं थीं।

प्रमुख शोधकर्ता और फेफड़े के विशेषज्ञ डॉ एमिली फ्रेजर के अनुसार, लोगों के क्लिनिक में आने और उन्हें यह समझाने में सक्षम नहीं होना निराशाजनक था कि ऐसा क्यों था कि उनकी सांस फूल रही थी।

अक्सर एक्स-रे और सीटी स्कैन में कोई असामान्यता नहीं दिखाई देती है।

फ्रेजर के हवाले से कहा गया, यह महत्वपूर्ण शोध है और मुझे उम्मीद है कि इससे इस पर और प्रकाश पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण है कि लोगों को पता चले कि रिहैब रणनीति और सांस लेने का प्रशिक्षण वास्तव में मददगार हो सकता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि निष्कर्ष कुछ प्रकाश डालते हैं कि लंबे कोविड समय में सांस फूलना इतना आम क्यों है - हालांकि सांस की कमी महसूस करने के अक्सर कई और जटिल कारण होते हैं।

बेघरों के लिए उचित प्रबंध सुनिश्चित करें केजरीवाल : एनजीओ ने किया अनुरोध

नई दिल्ली। एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने एक जनवरी से 19 जनवरी तक कड़ाके की ठंड के कारण राष्ट्रीय राजधानी में कम से कम 106 बेघर लोगों की मौत होने का दावा करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में अनुरोध किया है कि सर्दियों में बेघरों के लिए पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

एनजीओ 'सेंटर फॉर हॉलिस्टिक डेवल्पमेंट' (सीएचडी) ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि बेघरों की संख्या दिल्ली में मौजूद आश्रय गृहों की क्षमता से कहीं अधिक है।

दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) की नवीनतम 'शेल्टर होम्स ऑक्यूपेंसी रिपोर्ट' के अनुसार, दिल्ली में आश्रय गृहों की कुल क्षमता 19,964 थी, जिसे कोविड-19 वैश्विक महामारी की शुरुआत के बाद संशोधित करके 9,330 कर दिया गया।

उसने कहा कि इसके कारण बेघर लोग कड़ाके की ठंड में सड़कों पर रात बिताने को मजबूर है।

सीएचडी के संस्थापक सुनील कुमार अलेदिया ने कहा, ''हम बेघरों के लिए बिस्तरों और उनके रहने का प्रबंध कर रहे हैं। हम उन्हें निकटवर्ती रैन बसेरों में लेकर जाते हैं।''

उन्होंने सुझाव दिया कि महिला एवं बाल विकास विभाग और समाज कल्याण विभाग जैसे सरकारी विभागों को बेघर लोगों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए डीयूएसआईबी के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

दिल्ली स्थित एक अन्य एनजीओ 'विशेज एवं ब्लेसिंग्स' वंचितों को सर्दियों में आवश्यक चीजें उपलब्ध कराने में योगदान दे रहा है। उसने पिछले सात वर्ष में 20,000 से अधिक बेघर और वंचित लोगों को शॉल, कंबल, जैकेट/स्वेटर, दस्ताने और मफलर, मोजे और भोजन मुहैया कराए हैं। 'विशेज एंड ब्लेसिंग' की संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ गीतांजलि चोपड़ा ने कहा, 'मैं लाभार्थियों के चेहरों पर मुस्कान देखकर हमेशा अभिभूत हो जाती हूं। हम सभी के लिए यह बहुत जरूरी है कि हम मनुष्य होने के तहत उन लोगों की मदद करें, जो सर्दी में आवश्यक वस्तुएं हासिल नहीं कर पाते।''

दक्षिणी निगम के मध्य जोन के हरिजन कैंप लोधी रोड (वार्ड 58) में स्लम डेवलपमेंट प्रोग्राम का भी उद्घाटन, तीन स्वच्छ गली घोषित की गयी

नई दिल्ली। स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के मद्देनज़र आज दक्षिणी निगम ने अनूठा प्रयास करते हुए मध्य जोन के हरिजन कैंप लोधी रोड (वार्ड 58) में स्लम डेवलपमेंट प्रोग्राम का भी उद्घाटन किया और तीन स्वच्छ गली घोषित की गयी।हरिजन कैंप लोधी रोड (वार्ड 58) में घोषित इन स्वच्छ गली में सूखे और गीले कूड़े को अलग-अलग किया जायेगा और स्वच्छता पर विशेष बल दिया जाएगा। इस विशेष प्रयास से स्थानीय बच्चों के द्वारा उनके अभिभावकों को स्वच्छता व सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने की शपथ दिलाई गई ।मौक़े पर ही 28 बच्चों द्वारा उनके अभिभावकों की शपथ का प्रमाणपत्र सौंपा गया,जिसमे लिखा गया है कि हम सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नही करेगे व गीले व सूखे कूडे को अलग-अलग करेगे । हरिजन कैंप लोधी रोड मे एक खुले स्थान पर कूडा फैकते थे उसे निगम द्वारा साफ कराकर,दीवारो पर स्वच्छता से संबंधित सुन्दर पेंटिंग बनाई गयी। इसके अतिरिक्त एसडीएमसी ने आईटीसी डब्लूओडब्लू और ब्रांड एंबेसडर के सहयोग से आज हरिजन कैंप, लोधी रोड पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस आयोजन ने लगभग 35 स्थानीय बच्चों ने रुचि दिखाते हुए भाग लिया। दक्षिणी निगम ने आईटीसी डब्लूओडब्लू और ब्रांड एंबेसडर के सहयोग से बच्चों को चित्रकला प्रतियोगिता के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए और सी पी आई एल फ़ाउंडेशन के सहयोग से हरे और नीले रंग के कूड़ेदान और कपड़े के थैले वितरित किए। उपायुक्त मध्य जोन श्री राधा कृष्ण ने बच्चों के लिए 2500 रुपये का नकद पुरस्कार वितरित किया।

उपायुक्त श्री राधा कृष्ण ने कहा कि नागरिकों को स्रोत पर कूड़े के पृथक्करण, गीले कूड़े की कंपोस्टिंग और सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के बारे में जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिकों के सक्रिय सहभागिता से दक्षिणी निगम स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 की रैंकिंग में सुधार किया जा सकता है। उन्होंनें कहा कि भविष्य में भी मध्य जोन में इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा ताकि क्षेत्र को शत् प्रतिशत कूड़ा मुक्त करने का और प्रयास किया जा सके।

इग्नू ने माइग्रेशन और डायस्पोरा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड ट्रांस-डिसिप्लिनरी स्टडीज ने जनवरी 2022 सत्र से ओडीएल मोड के माध्यम से माइग्रेशन और डायस्पोरा में

स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया है।

इग्नू के कुलपति प्रो नागेश्वर राव ने शनिवार को वर्चुअल मोड के माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रो नागेश्वर राव ने अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रवासी भारतीयों की भूमिका पर बात की।

डिप्लोमा में प्रवेश की पात्रता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री अनिवार्य है। एक वर्षीय अवधि का डिप्लोमा केवल अंग्रेजी माध्यम में उपलब्ध है। छात्रों को इसमें प्रवेश के लिये 200 रुपये पंजीकरण शुल्क और 6100 रुपये का भुगतान करना होगा।

15 फरवरी तक प्रगति मैदान टनल के दो अंडरपास शुरू करने की तैयारी

नई दिल्ली। प्रगति मैदान टनल परियोजना का काम आगामी 15 फरवरी तक पूरा होने के आसार हैं। फरवरी के दूसरे सप्ताह में टनल के दो अंडरपास को खोलने की तैयारी है। दोनों अंडरपास को मिलाकर पूरी योजना का काम लगभग 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अगर आने वाले दिनों में बारिश और अत्यधिक ठंड नहीं पड़ी तो पूरी योजना को 15 फरवरी तक चालू कर दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि, परियोजना पर 95 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है, लेकिन उन्होंने अभी तक सुरंग में सड़क की सतह को ठीक नहीं किया है, क्योंकि ठंड का मौसम बिटुमिनस निर्माण सामग्री के उपयोग के लिए अनुकूल नहीं है, जो कोलतार बिछाने का प्रमुख घटक है। लोक निर्माण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर एजेंसी आगे बढ़ती है और सड़कों को बिछाने के लिए गर्म डामर मिश्रण का उपयोग करती है, तो वे लंबे समय तक नहीं टिकेंगी। अच्छी गुणवत्ता वाली बिटुमिनस सतह वाली सड़कों को बिछाने के लिए कम से कम 14 से 15 डिग्री सेल्सियस के तापमान की आवश्यकता होती है। परियोजना अंतिम चरण में है और अत्यधिक ठंड की स्थिति इसके पूरा होने में आखिरी बाधा है। अधिकांश हॉट मिक्स प्लांट दिल्ली के बाहर स्थित हैं और हमें यात्रा के समय और बाद में डामर मिश्रण के ठंडा होने पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। सुरंगों और अंडरपास दोनों में सिविल कार्य पूरा हो गया है और शेष विद्युतीकरण / प्रकाश व्यवस्था, कलाकृति और सड़क की सतह को पूरा करने के लिए एक अनौपचारिक समय सीमा 15 फरवरी तय की गई है। हम दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ अंडरपास का सुरक्षा ऑडिट करेंगे।

रिंग रोड पर जाम वाले स्थानों के लिए बदनाम भैरों मार्ग टी-प्वाइंट से जाम का समाधान जल्द होने जा रहा है। सुबह और शाम को व्यस्त समय में लोग इंडिया गेट से रिंग रोड या फिर रिंग रोड से इंडिया गेट की ओर आने-जाने में एक से डेढ़ किलोमीटर दूरी तय करने के लिए 20 मिनट से लेकर 30 मिनट तक जाम में जूझते हैं। ऐसे में लोक निर्माण विभाग प्रगति मैदान के नीचे सुरंग सड़क का निर्माण कर रहा है। सुरंग सड़क के शुरू होने से अशोक रोड, कनॉट प्लेस, इंडिया गेट, मंडी हाउस की ओर से यमुनापार की ओर आने जाने वाले तमाम लोग आइटीओ नहीं आएंगे। ये 1200 मीटर लंबी सुरंग का इस्तेमाल कर आवागमन करेंगे। निर्माण विभाग टी-प्वॉइंट पर अंडरपास का निर्माण कर रहा है।

इस परियोजना से प्रमुख मुख्य सड़कों का उपयोग करने वाले 100,000 से अधिक यात्रियों के लिए ट्रैफिक जाम में कटौती की भी उम्मीद है। इस सुरंग के खुलने के बाद भैरों मार्ग खंड पर भी यातायात की भीड़ कम होगी। मथुरा रोड पर पांच अंडरपास में से दो सुंदर नगर के पास हैं और तीन प्रगति मैदान और सुप्रीम कोर्ट के बीच हैं। रिंग रोड पर अंडरपास इसे भैरों मार्ग से जोड़ता है।

मेहरचंद मार्केट की दुकानों का संशोधित प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली। मेहरचंद मार्केट की दुकानों के संशोधित प्रस्ताव को दक्षिण निगम स्थायी समिति की बैठक में मंजूरी दे दी गई। अब नक्शे में बरामदे को शामिल किया जा सकेगा और छत के ऊपर पहली व दूसरी मंजिला का निर्माण भी किया जा सकेगा। स्थायी समिति के चेयरमैन कर्नल बीके ओबराय का कहना है कि दुकानदारों को शपथ पत्र देना होगा और अतिरिक्त फ्लोर व बरामदे का सर्किल रेट के हिसाब से निगम को भुगतान करना होगा।

लोधी रोड स्थित मेहरचंद मार्केट के दुकानदारों को जब 152 दुकानें आवंटित की गई थीं, तब बरामदे की जगह भी साथ मिली थी। वर्ष 1995 में मालिकाना हक के साथ बरामदा भी दिया गया, लेकिन जब नक्शा पास होने की बात आई तो दक्षिण निगम के इंजीनियरिंग विभाग ने बरामदे की जगह को दुकान में शामिल किए जाने से मना कर दिया। इसे लेकर मेहरचंद मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक सुखीजा सहित सभी दुकानदार निगमायुक्त ज्ञानेश भारती से मिले। दुकानदारों ने निगमायुक्त को दुकानों के दस्तावेज दिखाए और कहा कि इस मामले की वह टाउन प्लानिंग और इंजीनियरिंग विभाग से इसकी जांच करा लें। जांच के बाद इस मामले को लेकर वास्तुकला विभाग की तरफ से संशोधित प्रस्ताव तैयार किया गया। स्थायी समिति के चेयरमैन कर्नल बीके ओबराय का कहना है कि संशोधित प्रस्ताव को मंजूर कर लिया गया है।

केवल चुनावी स्टंट की बजाय दिल्ली के सीएम, किसानों के मुद्दों का वास्तव में करें समाधान: चौ0 सुरेन्द्र सोलंकी

दिल्ली देहात के किसानों के मुद्दों को लेकर 6 फ़रवरी को होगी महापंचायत- चौ0 सुरेन्द्र सोलंकी

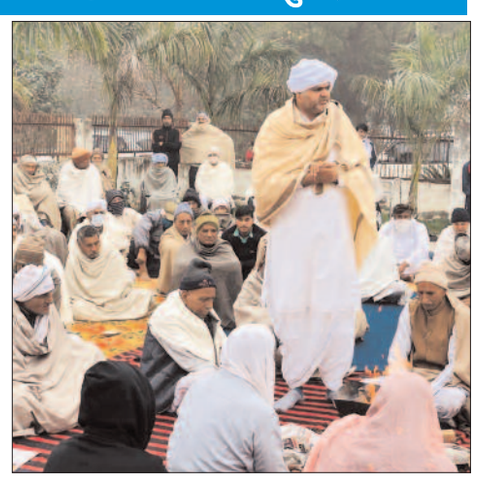

नई दिल्ली। आज दिल्ली के झड़ौदा गांव में एक महत्वपूर्ण मीटिंग का आयोजन हुआ जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आने वाली 6 फरवरी को दिल्ली देहात के किसानों के लंबित मामलों को लेकर एक महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इस बारे में पालम- 360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि पिछले साल मानसून सीजन में लगातार बारिश से किसानों की फसलें बर्बाद हो गयीं। इस मुद्दे पर हमने लगातार आवाज़ उठाई और दिल्ली के मुख्यमंत्री से मुलाकात करके मुआवजे की मांग की थी। पहले तो सरकार की ओर से गिरदावरी की प्रक्रिया ही इतनी देर से शुरू की गई की बहुत से किसानों की जमीन मुआवजे के मापदंडों से बाहर हो गई, फ़िर मुआवजे का एलान हुआ भी तो आधे-अधूरे ढंग से, केवल 29 हजार एकड़ जमीन पर मुआवजे का ही ऐलान किया गया है। जबकि दिल्ली में कुल 70 हज़ार एकड़ कृषि योग्य जमीन है।

चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि पिछले सीजन के मुआवजे की प्रक्रिया ही इतनी देर से लंबित है और अब जाकर इसके क्रियान्वयन की बात हो रही है। इस बीच दिल्ली देहात के खेतों में हालात यह है कि भारी ठंड के बीच लगातार बारिश से हर तरफ खेतों में पानी भरा हुआ है। इससे गेहूं और सरसों की फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। इस नुकसान के जायजे के लिए राजस्थान और हरियाणा में तुरंत गिरदावरी की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। मगर दिल्ली में इसे लेकर केजरीवाल सरकार लापरवाह दिख रही है। हम दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल जी से मांग करते हैं कि जल्द से जल्द दिल्ली में भी गिरदावरी की प्रक्रिया शुरू की जाए और किसानों को पुराने मुआवजे के साथ-साथ इस सीजन में हुए भारी नुकसान की भरपाई का इंतजाम किया जाए। साथ ही किसानों के लंबित अन्य प्रमुख मुद्दों का भी समाधान किया जाय। केवल अन्य राज्यों में चुनावी माहौल बनाने के लिए ऐसे आधे अधूरे वायदों से किसानों की समस्याएं हल होने वाली नहीं है।

प्रदूषण बढ़ने से दिल्ली के वाणिज्यिक, पर्यटन स्थलों पर जाने वालों की संख्या में कमी आई : अध्ययन

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने से बाजार, वाणिज्यिक और पर्यटन स्थलों पर जाने वाले लोगों की तादाद 33 प्रतिशत तक कम हुई है। एक नए अध्ययन में यह जानकारी सामने आई।

जलवायु तकनीक पर काम करने वाली स्टार्टअप कंपनी 'ब्लू स्काई एनालिटिक्स' और डेटा एनालिटिक्स कंपनी 'नियर' ने, नई दिल्ली के लोकप्रिय खरीदारी, वाणिज्यिक और पर्यटन स्थलों- करोल बाग, लोधी गार्डन्स और कनाट प्लेस में जाने वाले लोगों की संख्या पर पड़ने वाले प्रदूषण के उच्च स्तर के प्रभाव का

अध्ययन किया है। यह अध्ययन अक्टूबर 2019 से मार्च 2020 के बीच छह महीने के दौरान किया गया। इस अवधि को हफ्तों में बांटा गया और अध्ययन में 'पहला हफ्ता' एक अक्टूबर 2019 से लिया गया। अनुसंधानकर्ताओं ने ब्लू स्काई एनालिटिक्स द्वारा मुहैया कराए गए वायु गुणवत्ता के आंकड़े के साथ बढ़ते हुए प्रदूषण के स्तर की तुलना उक्त स्थलों पर जाने वाले लोगों की संख्या से की। इसमें 'मशीन लर्निंग' तकनीक की सहायता ली गई। अध्ययन में सामने आया कि कनाट प्लेस में, दसवें सप्ताह और 14 वें सप्ताह के बीच जब पीएम2.5 कणों की मात्रा 336 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी, तब वहां जाने वाले लोगों की संख्या 17,000 प्रतिदिन से घटकर 14,000 प्रतिदिन रह गई। इसी प्रकार करोल बाग में पांचवें सप्ताह (नवंबर की शुरुआत) में प्रदूषण का स्तर 25 प्रतिशत बढ़ने से वहां जाने वाले लोगों को की संख्या में 33 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। रिपोर्ट में कहा गया, पांचवें सप्ताह के दौरान, पीएम स्तर 443 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया और इससे उपभोक्ताओं ने यात्रा नहीं करने का निर्णय लिया। अध्ययन में कहा गया कि लोधी गार्डन क्षेत्र में अक्टूबर के अंत से नवंबर मध्य के बीच जाने वाले लोगों की संख्या 900 प्रतिदिन से घटकर 700 प्रतिदिन रह गई।

उत्तरी दिल्ली से कुख्यात सोनू दरियापुर गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के बवाना में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद कुख्यात सोनू दरियापुर गिरोह के 22 साल के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि मुठभेड़ में वह घायल हो गया है।

उन्होंने बताया कि पूठ खुर्द निवासी कुलदीप उर्फ असलम को एक खुफिया सूचना मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया। वह बवाना पुलिस थाने में दर्ज लूट और चोरी के दो मामलों में वांछित था।

पुलिस ने बताया कि उसके पास से एक देसी पिस्तौल, खाली कारतूस और कथित तौर पर लूटी गयी एक मोटरसाइकिल बरामद की गयी है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक खुफिया सूचना मिलने पर बवाना सेक्टर-3 में आरोपी को पकड़ने की योजना बनायी गयी जहां वह अपनी मोटरसाइकिल पर आया था। जैसे ही उसने पुलिस को देखा तो एक गोली चलायी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी पांच गोलियां चलायीं और उसे पकड़ लिया।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव है: आरजीसीआईआरसी

नई दिल्ली। सर्वाइकल कैंसर वैसे तो भारत में महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर में से एक है, लेकिन इससे बहुत आसानी से बचाव भी संभव है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, 2019 में भारत में 45000 से ज्यादा महिलाओं की मृत्यु सर्वाइकल कैंसर के कारण हो गई थी। सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए इसके टीकाकरण को लेकर बड़े पैमाने पर जागरूकता लाने और नियमित स्क्रीनिंग की आवश्यकता है। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) के विशेषज्ञों ने यह बात कही।

आरजीसीआईआरसी की गायनी ओंकोलॉजी कंसल्टेंट डॉक्टर वंदना जैन ने कहा, 'सर्वाइकल कैंसर का शुरुआती स्तर पर ही पता लगाना संभव है, क्योंकि इसमें 10 से 15 साल तक प्री-कैंसरस स्टेज रहता है और पैप स्मियर जैसी सामान्य जांच से इसका पता लग सकता है, जिससे कैंसर को बढ़ने से रोकना संभव है। हर तीन साल में महिलाओं को पैप टेस्ट की सलाह दी जाती है। साथ ही 30 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को एचपीवी टेस्ट भी कराना चाहिए।'

सर्वाइकल कैंसर के ज्यादातर मामलों में हाई रिस्क ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) कारण होता है। सामान्यतः एचपीवी के संपर्क में आने पर महिला के शरीर का इम्यून सिस्टम उस वायरस को किसी भी तरह का नुकसान करने से रोकता है। हालांकि कुछ महिलाओं का इम्यून सिस्टम उस वायरस को खत्म नहीं कर पाता है और बहुत ज्यादा समय तक हाई रिस्क एचपीवी के संपर्क में रहने से सर्वाइकल कैंसर का खतरा रहता है।

डॉ. वंदना ने कहा, 'दुर्भाग्य से शुरुआती स्टेज पर सर्वाइकल कैंसर का कोई लक्षण नहीं होता है। इसके लक्षण तब दिखने शुरू होते हैं जब कैंसर एडवांस्ड स्टेज पर पहुंच जाता है। इसलिए नियमित तौर पर जांच कराते रहना चाहिए, जिससे शुरुआती स्टेज पर ही बीमारी की पहचान हो सके। मासिक स्राव में अनियमितता, माहवारी के अलावा भी रक्त स्राव होना, शारीरिक संबंध बनाने के बाद रक्त स्राव होना, मीनोपॉज के बाद रक्त स्राव होना, दुर्गंधयुक्त स्राव होना आदि सर्वाइकल कैंसर के लक्षण हैं।'

एक से ज्यादा से लोगों से शारीरिक संबंध बनाना और बहुत कम उम्र में यौन गतिविधियों में संलिप्त हो जाना सर्वाइकल कैंसर के कारकों में शुमार हैं। यौन संचारी संक्रमण (एसटीआई) और एचआईवी से भी एचपीवी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान से भी खतरा बढ़ जाता है। स्वच्छता का ध्यान नहीं रखने, जागरूकता नहीं होने और समय पर स्क्रीनिंग नहीं होने के कारण शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वाइकल कैंसर के मामले ज्यादा होते हैं।

डॉ. वंदना ने आगे कहा कि सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने के लिए एचपीवी से बचाव का टीका लगवाना चाहिए। नौ से 26 साल की उम्र की लड़कियों व महिलाओं के लिए टीका उपलब्ध है। टीके का सबसे ज्यादा प्रभाव तब होता है, जब यौन गतिविधियां शुरू होने से पहले ही लड़की को टीका लगवा दिया जाए। 9 से 14 साल की उम्र में दो इंजेक्शन के रूप में टीका लगाया जाता है और 14 से 26 की उम्र में तीन इंजेक्शन की जरूरत होती है। हालांकि टीके के बाद भी नियमित स्क्रीनिंग जरूरी है।

टीका सर्वाइकल कैंसर से 70 से 80 प्रतिशत तक बचाव करता है। इसलिए जल्दी पता लगाने और समय पर इलाज के लिए स्क्रीनिंग बहुत जरूरी है। हालांकि आंकड़ो के अनुसार 2019 में 10 में से 1 से भी कम महिला ने सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग कराई थी।

एक छोटी सी आशा एनजीओ ने कृष्णा नगर में गरीब लोगों में किया कंबल वितरण

नई दिल्ली। कृष्णा नगर में एक छोटी सी आशा एनजीओ द्वारा कंबल वितरण का कंबल वितरण समारोह रखा गया जिसमें गरीब लोगों को कंबल बांटे गए एनजीओ के उपाध्यक्ष शालिनी जुगल अरोड़ा ने कहा कि हम एनजीओ के द्वारा कई वर्षों से जनता की सेवा कर रहे हैं हम चाहते हैं जरूरतमंदों को इस संकट की घड़ी में जो जरूरत का सामान है वह मिल सके और शीतकालीन की वजह से यह कंबल हमने जरूरतमंदों को दिया है दिए हैं आने वाले समय में जो बन पाएगा जरूरतमंदों के लिए हम अपनी एनजीओ के द्वारा वह सेवा करते रहेंगे वही तीर्थ यात्रा कमेटी के चेयरमैन कमल बंसल ने भी एनजीओ के काम की सराहना की और कहा यह नेक काम है जरूरतमंदों की सेवा करना वहीं अध्यक्ष जुगल अरोड़ा का कहना है कि इस संकट की घड़ी में हमें जनता के साथ हैं जब भी कोई किसी को जरूरत होगी हमारी एनजीओ बढ़-चढ़कर काम करेगी और आने वाले समय में भी हम कैंप लगाते रहेंगे हमारी एनजीओ द्वारा अभी राशन और हेल्थ कैंप यह कंबल वितरण का प्रोग्राम भी किया गया है समय समय पर हमारी एनजीओ कैंप लगाती रहती है वही स्थानीय विधायक एसके बग्गा ने कहा की एनजीओ के लोग जनता की सेवा कई वर्षों से कर रहे हैं और मेरा ओर से जो भी एनजीओ के लिए बन पाएगा मैं हमेशा एनजीओ के लोगों के साथ रहूंगा उसमें सभी एनजीओ के लोग उपस्थित रहे विकास बग्गा अनिल गौड़ देवेंद्र कपूर राहुल नेगी डॉक्टर से डा विकास बक्शी विपिन खोसला।

श्रीनारायणगुरु पर झांकी गणतंत्र दिवस समारोह से बाहर

राम पुनियानी

हर गणतंत्र दिवस पर दिल्ली के राजपथ पर एक शानदार और रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसमें एक ओर देश की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन होता है तो दूसरी ओर विभिन्न राज्यों और केन्द्रीय मंत्रालयों की झांकियों के जरिए हमारी संस्कृति की झलक भी दिखलाई जाती है। झांकियों का चुनाव भारत सरकार द्वारा किया जाता है। इस साल (2022) पश्चिम बंगाल, तमिलनाडू और केरल की झांकियों को इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि समारोह में केवल 12 झांकियों के लिए स्थान है। केरल के मामले में एक दूसरा पहलू भी सामने आया है। झांकियों के चुनाव के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा गठित जूरी ने केरल सरकार को यह सुझाव दिया कि वह नारायण गुरू पर केन्द्रित झांकी की बजाए शंकराचार्य पर केन्द्रित झांकी बनाए। जूरी का तर्क यह था कि शंकराचार्य भी केरल से थे और उन्होंने देश को एक किया था इसलिए उनकी झांकी प्रदर्शित की जानी चाहिए। सन् 2017 से लेकर अब तक यह तीसरी बार है जब केरल की झांकी खारिज की गई है।

दरअसल नारायण गुरू की जगह शंकराचार्य की झांकी प्रदर्शित करने के सुझाव के पीछे केन्द्र सरकार का एजेंडा है। केन्द्र सरकार भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने का भरसक प्रयास कर रही है। केरल में जन्मे इन दोनों महान व्यक्तित्वों की सामाजिक विचारधारा एक दूसरे की धुर विरोधी थी। नारायण गुरू 'एक जाति, एक धर्म और एक ईश्वर' के सिद्धांत के पैरोकार थे तो शंकराचार्य असमानता पर आधारित ब्राम्हणवादी मूल्यों के पोषक।

शंकराचार्य का जन्म नारायण गुरू से कई सदियों पहले हुआ था। उनका काल 8वीं से 10वीं शताब्दी के मध्य का बताया जाता है। उस समय देश में बुद्ध की शिक्षाओं के जरिए जातिगत समानता को बढ़ावा दिया जा रहा था और यह संदेश लोगों तक पहुंचाया जा रहा था कि यही दुनिया असली दुनिया है और इसके लोगों के दुःखों के निवारण के प्रयास किए जाने चाहिए। शंकराचार्य का कहना था कि यह दुनिया माया है और केवल ब्रम्ह ही सत्य है। शंकराचार्य ने बौद्ध चिंतकों को चुनौती दी। वे उन व्यक्तित्वों में से एक थे जिनके कारण बौद्ध धर्म अपने जन्म के देश से ही लुप्त हो गया।

शंकराचार्य ने द्वारिका, बद्रीनाथ, जगन्नाथपुरी और श्रृंगेरी में मठों की स्थापना की। यह बौद्ध मठों की तर्ज पर किया गया। परंतु जहां बौद्ध धर्म भौतिकवादी था वहीं शंकराचार्य अद्वैतवाद में आस्था रखते थे। बौद्ध धर्म समानता की बात करता था जबकि शंकराचार्य जन्म आधारित जातिगत और लैंगिक पदक्रम के ब्राम्हणवादी मूल्यों में आस्था रखते थे। ।

नारायण गुरू अत्यंत मानवीय व्यक्ति थे। उन्होंने भारतीय आध्यात्म और योग का गहन अध्ययन किया था। अपनी यात्राओं के दौरान वे 1888 में अरूविप्पुरम् पहुंचे और वहां ध्यानस्थ हो गए। वहीं उन्होंने नदी से एक पत्थर निकालकर उसकी प्राण प्रतिष्ठा की और उसे शिव की मूर्ति घोषित कर दिया। वह स्थल अरूविप्पुरम् शिव मंदिर कहलाता है और श्रीनारायण गुरू ने अरूविप्पुरम् प्रतिष्ठा की, ऐसा कहा जाता है। इस घटना से केरल में बवाल मच गया। ऊँची जातियों, विशेषकर ब्राम्हणों ने इसपर खूब हंगामा किया।

ऊँची जातियों का कहना था कि श्रीनारायण गुरू को मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करने का अधिकार नहीं था। इसके जवाब में नारायण गुरू ने कहा कि ''ये ब्राम्हण शिव नहीं बल्कि एझावा शिव हैं।'' उनका यह उत्तर आगे चलकर बहुत प्रसिद्ध हुआ और जातिप्रथा के विरोध का नारा बन गया। श्रीनारायण गुरू ने अपना जीवन जातिप्रथा के विरोध को समर्पित कर दिया। उन्होंने गहरे तक जड़ें जमा चुकी जातिप्रथा को जबरदस्त चुनौती दी।

सन् 1904 में नारायण गुरू ने वर्कला के निकट शिवगिरी में रहना शुरू कर दिया। वहां उन्होंने समाज के निम्न वर्गों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने के लिए एक स्कूल की स्थापना की। जातिप्रथा के संदर्भ में यह एक क्रांतिकारी कदम था जिसकी तुलना जोतिबा फुले द्वारा महाराष्ट्र में दलित बच्चों के लिए स्कूल खोलने से की जा सकती है। आधुनिक शिक्षा, जाति के बंधनों को तोड़ने का मजबूत हथियार साबित हुई है। उस काल में जहां शिक्षा केवल उच्च जातियों का विशेषाधिकार थी, नारायण गुरू ने अपने स्कूल के दरवाजे सभी के लिए खोल दिए। इसके 7 साल बाद उन्होंने वहां एक मंदिर का निर्माण किया और फिर 1912 में एक मठ स्थापित किया। उन्होंने त्रिशूर, कन्नूर, अंचुतहेंगू, थालासेरी, कोझीकोड और मंगलौर में भी मंदिरों की स्थापना की। ये हमें चलकर अंबेडकर द्वारा शुरू किए गए कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन की याद दिलाते हैं।

नारायण गुरू ने ब्राम्हणवादी व्यवस्था को चुनौती दी और जाति के बंधनों को तोड़ने का प्रयास किया। जातिप्रथा के खिलाफ उनका आंदोलन अत्यंत महत्वपूर्ण था। हमारे वर्तमान शासक उस अतीत का महिमामंडन करते हैं जिसमें ब्राम्हणवाद और जातिगत ऊँचनीच का बोलबाला था। वे इसे वैदिक या सनातन धर्म बताते हैं। शंकराचार्य को भारत की आध्यात्मिक परंपरा के प्रमुख वाहक के रूप में प्रतिष्ठित करने के प्रयास हो रहे हैं।

अंबेडकर ने लिखा है कि भारत का इतिहास, बुद्ध के समानता के मूल्य और वैदिक ब्राम्हणवाद के ऊँचनीच पर आधारित मूल्यों के बीच सतत संघर्ष का इतिहास है। देश में दक्षिणपंथी ताकतों के उभार के साथ शंकर को उच्च दर्जा देने और भौतिकवादी परंपरा के बुद्ध-चार्वाक इत्यादि को कमजोर करने के प्रयास हो रहे हैं। यह दिलचस्प है कि राजनैतिक और चुनावी उद्धेश्यों से भाजपा नारायण गुरू को मान्यता देती है परंतु उनके सिद्धांतों और शिक्षाओं को खारिज करना चाहती है। नारायण गुरू पर आधारित झांकी को गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल न किया जाना यही दर्शाता है।

एक तरह से नारायण गुरू की झांकी को खारिज करना असमानता पर आधारित राजनीति का प्रकटीकरण है। नारायण गुरू मठ और केरल सरकार ने केन्द्र सरकार के इस निर्णय को राजनीति से प्रेरित बताया है। यह आरोप ठीक नजर आता है। अन्य राजनैतिक दलों जैसे कांग्रेस ने भी केन्द्र सरकार के इस निर्णय की आलोचना की है। जूरी का दावा है कि उसे सर्वश्रेष्ठ झांकियां चुनना थीं और ऐसे में कुछ झांकियों का खारिज होना अनिवार्य था। सच तो यह है कि नारायण गुरू और कबीर जैसे लोग वर्तमान सरकार को बिलकुल रास नहीं आते। गांधी, जिन्होंने अछूत प्रथा और जातिगत असमानताओं के खिलाफ जीवन पर्यन्त संघर्ष किया, भी भारत की संत परंपरा का हिस्सा थे।

सम्पादकीय

न्यायपालिका की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप न हो

राजेंद्र मोहन शर्मा

न्यायपालिका की स्वतंत्रता का आशय है कि सरकार के अन्य अंग विधायिका, कार्यपालिका व मीडिया न्यायालय के कार्य में कोई बाधा न डालें ताकि वह निष्पक्ष रूप से न्याय दे सके। न्यायपालिका अपने कार्य को निष्पक्षता तथा कुशलता से तभी कर सकती है जब वह स्वतंत्र और निष्पक्ष हो तथा उस पर किसी प्रकार का दबाव न हो। 'न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि इसे होते हुए देखा भी जाना चाहिए वाली उक्ति तभी प्रमाणित हो सकती है जब न्यायालयों की कार्यप्रणाली में कोई हस्तक्षेप व दबाव न हो। न्यायपालिका के सदस्यों का व्यवहार व आचरण न्यायपालिका की निष्पक्षता के प्रति लोगों के विश्वास की पुष्टि करता है। न्यायाधीशों की अपनी एक गरिमा होती है तथा उन्हें पृथकता का स्तर बनाए रखना पड़ता है। न्यायपालिका की स्वतत्रंता के कुछ सिद्धांत होते हैं तथा विधि का विधान यानी कानून सर्वोपरि होता है जो कि समान रूप से लागू होता है। न्यायपालिका के कार्यों व निर्णयों की मनमाने ढंग से आलोचना नहीं होनी चाहिए। आज जिस ढंग से मीडिया ट्रायल स्वतंत्र न्यायपालिका पर भारी पड़ता जा रहा है उसके जज साहिबान भी तनावग्रस्त देखे जा सकते हैं। वास्तव में मीडिया के कुछ लोगों को कानून की न्यायिक प्रक्रिया व विधि-विधान की बारीकियों का ज्यादा ज्ञान नहीं होता तथा वो अधजल गगरी की तरह ही छलकते हुए कुछ ज्यादा ही प्रतीत होते हैं। सर्वोच्च न्यायालय को तो पूर्ण अधिकार है कि वह अधीनस्थ न्यायाधीशों के निर्णयों के पुन~ संज्ञान ले तथा जरूरत पडने़ पर उन्हें प्रताड़ित भी करे, मगर हर कोई व्यक्ति, संस्था व सरकार को ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। वास्तव में मीडिया ट्रायल पर कोई अंकुश नहीं है तथा अब सोशिल मीडिया तो सारी सीमाएं लांघ रहा है तथा कुछ भी लिखने से परहेज नहीं करता। उदाहरणत~ पालघर में साधुओं की हत्या, महामारी में तबलीगी जमात की कथित संलिप्तता, अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु तथा इसी तरह अन्य कई केसों में मीडिया ने अपने ही ट्रायल शुरू कर दिए तथा न्याय व्यवस्था में दबाव डालने का भरसक प्रयत्न किया। इसी तरह सरकार भी कई बार न्यायालयों के निर्णयों के खिलाफ राजनीति को ध्यान में रखते हुए अपनी मर्जी से कई अधिनियमों में संशोधन कर देती है तथा जाहिर है कि ऐसा करने से जजों का तनावग्रस्त होना स्वाभाविक हो जाता है। इसके अतिरिक्त जजों को अपराधियों व आतंकवादियों द्वारा भी समय-समय पर धमकियां मिलती रहती हैं तथा कई बार तो उन्हें अपनी जान भी गंवानी पड़ी। इस संबध में कुछ एक उदाहरणों का उल्लेख इस प्रकार से है। 1. वर्ष 1989 में जम्मू-कश्मीर के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नीलकंठ गंजू का आतंकवादियों ने इसलिए कत्ल कर दिया था क्योंकि उन्होंने मकबूल भट्ट नामक आतंकवादी को एक पुलिस इंसपैक्टर की हत्या के लिए वर्ष 1968 में (जब वो सैशन जज थे) फांसी की सजा दी थी। ऐसी घटनाएं निश्चित तौर पर न्यायपालिका के वर्ग को आतंकित करती रहती हैं।

2. जुलाई 2021 में धनवाद के जज उत्तम चंद को जब वह सुबह की सैर कर रहे थे एक ऑटो रिक्शा वाले ने टक्कर मार कर मौत के घाट उतार दिया। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि वह बहुत ही संवेदनशील मुकद्दमे का ट्रायल कर रहे थे। 3. वर्ष 2018 में गुरुग्राम के एक जज की पत्नी व उसके बच्चे को जज के सुरक्षा कर्मचारी ने ही गोलियों से भून डाला था। 4. हाल ही में प्रधानमंत्री जी की पंजाब में यात्रा के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने उनके काफिले को आगे बढने़ से रोक दिया जिस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में लोगों ने जनहित में याचिकाएं दायर की। जिन एडवोकेट्स व न्यायाधीशों ने याचिकाओं की पैरवी व सुनवाई करनी थी, उन्हें 'सिक्ख फॉर जस्टिस नामक संस्था के लोगों द्वारा धमकी भरे टैलीफोन आने आरंभ हो गए। 5. इसी तरह सर्वोच्च न्यायालय के दो जजों जस्टिस डीवी चंद्रचूड़ और एस. वोपन्ना ने कृष्णानदी जल विवाद की सुनवाई से अपने को इसलिए अलग कर लिया क्योंकि यह विवाद महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र, तेलंगाना राज्यों के बीच पानी के बंटवारे से संबंधित था तथा यह दोनों जज क्रमश~ महाराष्ट्र व कर्नाटक के रहने वाले हैं तथा उन्हें सोशिल मीडिया पर ढेरों सारे पक्षपात करने के संबंध में संदेश आने शुरू हो गए थे। हालांकि न्यायाधीश डर या पक्षपात के बिना न्याय करने की शपथ लेते हैं, लेकिन अपमानजनक आलोचना की आशंकाओं ने उन्हें इस मामले से हटने के लिए मजबूर कर दिया। यह ठीक है कि कुछ कनिष्ठ जजों ने समय-समय पर आपत्तिजनक निर्णय देकर अपने पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, मगर सर्वोच्च न्यायालय ने हमेशा इसका संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई की है। 6. लंबित मामलों की बढ़ती फेहरिस्त भी जजों के तनाव का एक अन्य कारण है।

वर्ष 2019 में विभिन्न न्यायालयों में 4-5 करोड़ मुकद्दमे लंबित थे तथा इस संबंध में रिटायर्ड जस्टिस काटजू का कहना है कि इन सभी मामलों को कलीयर करने में सैंकड़ों वर्ष लग सकते हैं। न्यायालयों व जजों की संख्या में वांछित बढ़ोतरी न होने के कारण जजों के कार्य में अत्यधिक बोझ बढ़ता जा रहा है तथा आम जनता इस देरी के लिए जजों को ही उत्तरदायी ठहराती है। मीडिया विशेषत~ इलैक्ट्रानिक मीडिया को अपना समानंतर मीडिया ट्रायल आरंभ नहीं कर लेना चाहिए, क्योंकि इससे जज साहिबानों का दिल और दिमाग प्रभावित हो सकता है। मीडिया को अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का इस्तेमाल करते समय अपनी भाषा मर्यादा, संयम और किसी भी जांच में हस्तक्षेप के अनजाने प्रयास में अदृश्य सीमा रेखा नहीं लांघनी चाहिए अन्यथा वह समय दूर नहीं है जब न्यायपालिका संविधान में प्रदत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आ रही मीडिया के लिए विशेष परिस्थितियों या मामलों के संबंध में कोई लक्ष्मण रेखा नहीं खींच दे।

नर से नारायण की यात्रा

गिरीश्वर मिश्र

स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव भारत की देश-यात्रा का पड़ाव है जो आगे की राह चुनने का अवसर देता है। इस दृष्टि से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की चिंतन परक सांस्कृतिक दृष्टि में जो भारत का खांचा था, बड़ा प्रासंगिक है।

वह समाजवाद और साम्यवाद से अलग सबकी उन्नति की खोज पर केंद्रित था। वह सर्वोदय के विचार को सामने रखते हैं और सोच की यह प्रतिबद्धता भारतीय राजनैतिक सोच को औपनिवेशक सोच से अलग करती है।

वे मनुष्य के समग्र अस्तित्व की उपेक्षा करते हैं। एक व्यापक आधार चुनते हुए वह मानव अस्तित्व के सभी पक्षों अर्थात शरीर और मन के साथ बुद्धि तथा आत्म का भी समावेश करते हैं। इन्हीं के समानांतर धर्म, अर्थ, काम, और मोक्ष के पुरुषार्थों को भी उन्होंने रेखांकित किया। उनका मानना था कि वैयक्तिकता के विरुद्ध जाकर अंतत~ साम्यवाद भी व्यक्ति को कुचल देता है। उपाध्याय जी समाज को अनुबंध (कान्ट्रेक्ट) की जगह एक जीवित प्राणवान सत्ता मानते थे जो राष्ट्र की आत्मा के साथ जुड़ी रहती है। इस सामाजिक सत्ता (जीव!) की आवश्यकताएं भी व्यक्ति की आवश्यकताओं की ही तरह होती हैं।

आदि शंकर का अद्वैत वेदान्त उन्हें आकर्षक लगा था जो पूरी सृष्टि में विद्यमान मनुष्य समेत सभी तत्वों को जोड़ने का आधार देता है। महात्मा गांधी की तरह वे भारत को अपनी राह खुद बनाने की तजबीज करते हैं। दोनों ही शुद्ध वैयक्तिकता की श्रेष्ठता को नकारते हैं और हानिकर घोषित करते हैं। उन्हें नैतिक-धार्मिक मूल्यों से अनुप्राणित आधुनिकता में ही आगे की राह दिखती है। भारत के लिए लक्ष्य और दिशा के बारे में सोचते हुए वे दोनों के लिए ही राष्ट्रीय अस्मिता को अत्यंत महत्वपूर्ण पाते हैं और कहते हैं कि अस्मिता के अभाव में राष्ट्र रुग्ण हो जाता है।

विश्व का आर्थिक-राजनैतिक इतिहास भी यही बताता है। पश्चिम में उभरे समाजवाद, प्रजातंत्र और राष्ट्रवाद जैसे विचारों का मूल्यांकन करते हुए वह इनको अपर्याप्त पाते हैं। राष्ट्रवाद ने राष्ट्र और राज्य की अवधारणाओं को एक दूसरे के निकट पहुंचाया। राष्ट्रवादी विचार विश्व शान्ति को खतरा बना। प्रजातंत्र और पूंजीवाद हाथ मिला कर शोषण में जुट गए और समाजवाद ने पूंजीवाद को विस्थापित कर प्रजातंत्र और व्यक्ति स्वातंर्त्य को प्रश्नांकित किया। कुल मिलाकर पश्चिमी दुनिया में हुए प्रयोग कोई समुचित समाधान नहीं प्रदान करते दिखते।

स्वतंत्र भारत में उभरती सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक समस्याओं के बीच जरूरी उत्साह और संतुष्टि की कमी उनको दुखी करती थी। उनका विचार था कि हर देश की सामाजिक-ऐतिहासिक दशाएं भिन्न समाधान की अपेक्षा करती हैं। ज्ञान और विचार तो देश-काल से बाहर आ जा सकते हैं पर मनुष्य की प्रतिक्रियाएं उसके देश-काल से अनिवार्य रूप से अनुबंधित होती हैं। इसलिए आलोचक विवेक के आधार पर ही मार्ग को चुनना होगा। ज्ञान कहीं से उपजा हो उसकी स्वीकार्यता अपने सन्दर्भ में उस ज्ञान की उपयुक्तता की कसौटी पर ही जांची जा सकती है।

उपाध्याय जी मानते हैं कि स्वातंर्त्य का आधार संस्कृति में होना चाहिए। ऐसा न होने पर स्वतंत्रता के लिए राजनैतिक आन्दोलन स्वार्थ और सत्तालोभी राजनेताओं द्वारा नष्ट हो जायगा। वह सार्थक तभी होगा यदि वह संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बने। राष्ट्रीय और मानवता दोनों ही दृष्टि से भारतीय दृष्टि के विचार प्रासंगिक है। भारतीय संस्कृति जीवन को समेकित रूप में देखती है। सिर्फ अंश को देखना व्यावहारिक दृष्टि से ठीक नहीं है। पश्चिमी विचार पहले खंड में देखता है फिर जोड़ता है जबकि भारतीय दृष्टि विविधता और बहुलता को देखती है पर उनके बीच कोई एक योजक सूत्र को तलाशती है। विश्व में व्यक्त असंबद्धता या अव्यवस्था में व्यवस्था ढूढ़कर विश्व को नियमित करने वाले सिद्धांत की खोज की जाती है। भारत में सकल या समस्त जीवन में एका देखा गया।

उपाध्याय जी बीज का उदाहरण लेकर कहते हैं कि बीज जड़, तने, डाल, पत्ते, फूल और फल में व्यक्त होता है। इन सभी अंशों की विशेषताएं भी भिन्न होती हैं पर उनका मूल बीज से रिश्ता दिखता है और नकारा नहीं जा सकता। विविधता में ऐक्य और उस ऐक्य का विभिन्न रूपों में अनुभव करना भारतीय संस्कृति में एक प्रमुख सरोकार है। यह संस्कृति प्रकृति की उपेक्षा नहीं करती। वह प्रकृति में निहित उन तत्वों को समुन्नत करती है जो ब्रह्मांड में जीवन संभव और समृद्ध करती हैं। वह जीवन विरोधी तत्वों को नष्ट करती है। मनुष्य उन मूल रिश्तों को आगे बढ़ाता है और सहयोग तथा सामंजस्य के साथ सभ्यता का निर्माण करता है। सत्य और अहिंसा जैसे नियमों के बिना समाज चलेगा ही नहीं। ये मूल स्वभाव हैं जो जन्म से होते हैं और जिन्हें धर्म कहा गया। धर्म प्रधान संस्कृति जीवनदायी होती है। उपाध्याय जी का विचार है कि मनुष्य का समग्र अस्तित्व शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा से मिलकर बनता है। पर ये व्यक्ति में समेकित रूप से मौजूद रहते हैं इसलिए इनको अलग-अलग नहीं समझा जा सकता।

मनुष्य की प्रगति सर्व-समावेशी होनी चाहिए पर पश्चिम में सिर्फ शरीर पर ध्यान दिया गया जबकि भारत में सब पर। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष सभी परस्पर सम्बंधित और पूरक हैं। इनमें धर्म केंद्र में है। जब राज्य को आर्थिक और राजनैतिक दोनों अधिकार मिल जाते हैं तो धर्म घटता है। स्मरणीय है कि शरीर, बुद्धि, मानस और आत्मा अकेले व्यक्ति के स्तर पर ही नहीं समाज के स्तर पर भी मौजूद होते हैं। पश्चिम में समाज सामाजिक संविदा के तहत व्यक्तियों का सहमति से निर्मित समूह है। इसमें व्यक्ति ही समाज का निर्माता है यह विचार अस्वीकार करते हुए उपाध्याय जी समाज के आत्म और जीवन को व्यक्ति की ही तरह संप्रभु मानते हैं। समूह व्यक्तियों का कोई यादृच्छिक योग न होकर उससे अधिक है। व्यक्ति व्यक्ति के रूप में और समाज के अंश के रूप में समान या भिन्न हो सकता है। व्यक्ति और समाज की सोच में फर्क होता है। यदि कुछ समूह साथ रहें तो उनकी मित्रता समानता का भाव भरती है। परन्तु %राष्ट्र% कुछ भिन्न है। उनकी दृष्टि में लक्ष्य (आत्मा) और मातृभूमि (शरीर) तत्व प्रमुख हैं। शरीर से आत्मा निकल जाय वह निष्प्राण हो जायगा।

समाज का आतंरिक स्वभाव %चिति% नैसर्गिक है। यह संस्कृति और इतिहास से अलग है और उसी के अनुरूप देश आगे बढ़ता है। चिति के अनुरूप जो होगा वह संस्कृति में जुड़ेगा। चिति देश की आत्मा है। व्यक्ति भी इस चिति का उपकरण है। राष्ट्र की अवयव भूत संस्थाएं भी राष्ट्रीय लक्ष्य पाने के माध्यम हैं। राष्ट्र और राज्य भिन्न हैं। भारत में राज्य को सामाजिक संविदा से पैदा माना गया जबकि पश्चिम में राजा दैवीय था और समाज संविदा पर टिका था। भारत में इसके उलटा सोचा गया। यहाँ समाज स्वतः जन्मा है। व्यक्ति एकल सत्ता न होकर बहुलता वाली सत्ता है और अनेक संस्थाओं का सदस्य होकर व्यक्ति कई तरह की जिन्दगियां जीता है। उसे ऐसे व्यवहार करने चाहिए जो परस्पर विरोधी न होकर पूरक हों। व्यक्ति और समाज की संस्थाओं के बीच संघर्ष नहीं होना चाहिए। परस्पर निर्भरता और पूरकता सभी संस्थाओं के बीच होनी चाहिए। राज्य भी एक संस्था है पर उस अर्थ में समाज संस्था नहीं है। यदि राज्य केंद्र में रहता तो यह राष्ट्र कब का समाप्त हो चुका था।

राज्य महत्वपूर्ण है परन्तु सर्वोच्च नहीं। उसकी रचना समाज की रक्षा के लिए की गई थी। राष्ट्र की आत्मा चिति ही सर्वाधिक महत्व की है। उसकी अभिव्यक्ति और संरक्षण के नियम राष्ट्र-धर्म हैं। धर्म ही सर्वोपरि है। उसकी हानि से राष्ट्र नष्ट हो जाता है। यह धर्म रेलिजन या पंथ नहीं है। धर्म का उपयोग देश, काल और पात्र के ऊपर निर्भर करता है। धर्म के अनेक रूप हैं। धर्म ही राष्ट्र की रक्षा करता है और सभी संस्थाएं धर्म से ही शक्ति पाती हैं।

राष्ट्र एक प्राणवान सत्ता है, स्वत~ उद्भूत। उसे मूर्त आकार देने के लिए संस्थाएं होती हैं। राज्य भी एक संस्था है और अर्थ तंत्र भी। आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन, लोगों का विकास, और राष्ट्र का विकास विवेक की अपेक्षा करता है। इच्छाओं पर पश्चिम में कोई नियंत्रण नहीं रहा और उपभोग प्रधान विनाशकारी शैली अपनाई गई जिसमें नई-नई जरूरतें पैदा की जाती हैं।

विचारधारा मे हमेशा जीवित रहेंगे महात्मा गांधी!

डा.श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

देश और दुनिया के लिए महात्मा गांधी उन महान व्यक्तित्वों में से एक थें जो अपने विश्वास पर हिमालय की तरह अटल और द्रढ रहते थे ससांर का प्रत्येक व्यक्ति सोचता है कि गांधी जी एक उत्तम व्यक्ति थें तो उन्हे क्यों मार डाला गया यह सवाल अनेक लोगों ने उठाया लेकिन इसका जवाब है कि कुछ लोग नही चाहते कि देश दुनिया में भले लोगो का वजूद कायम रहे इसी कारण कुछ सिरफिरे ऐसे महानतम लोगो के भी दुश्मन बन जाते है। महात्मा गांधी की यह भी विषेशता थी कि वह चाहे कही भी रहे और चाहे जिस तरह के काम व्यस्त हो लेकिन हर रोज सुबह सबसे पहले प्रार्थना जरूर करते थे। अपने देश के लोगों में भी महात्मा गांधी शीर्ष स्तर पर छाये रहे। वास्तव में यदि कोई सार रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने में योग्य था तो वह सिर्फ और सिर्फ महात्मा गांधी थे। बहुत सी बातों में लोगों का गांधी जी से मतभेद हो सकता है और बहुत से लोग उनसे अधिक विद्वान हो सकते है परन्तु उनमें चरित्र व राष्ट्रभक्ति की जो महतता है उसके कारण वह सब लोगों के आदर्श बन गये थे। गांधी जी निसंदेह उस धातु के बने हुए है जिस धातु से शुरमा और बलिदानी लोगों का निर्माण होता हैं आत्मिक शक्ति के बल पर महात्मा गांधी विश्व भर में छाये रहे।लेकिन दुर्भाग्य है कि देश को आजाद कराने का प्रबल आधार स्तभ बने महात्मा गांधी के प्रति कृज्ञता अभिव्यक्त करने के बजाए कुछ लोग उनके हत्यारे को महिमा मंडित करने का निदंनीय प्रयास कर रहे है। ऐसे लोगो को देश कभी माफ नही करेगा।

विचारधारा की भिन्नता के कारण ही सिरफिरे नाथूराम गोड़से ने दुनिया को अहिंसा का संदेश देने वाले उस मोहनदास कर्मचन्द गांधी को मार डाला था,जिससे भारत ही नही पूरी दुनिया प्रभावित थी और आज भी जिसका प्रभाव बरकरार है।एक ऐसा गांधी जिसने कभी अपने बारे में नही सोचा।एक ऐसा गांधी जिसने कभी अपने परिवार के बारे में नही सोचा, एक ऐसा गांधी जिसने कभी किसी पद या कुर्सी की चाहत नही की।जिसे पूरी दुनिया आज भी बापू के रूप में सम्मान दे रही है,उस महान शख्सियत की गोलियों से भून कर हत्या हो जाना ,यह प्रमाणित जरूर करता है कि उस समय भी और आज भी हिंसा ने अहिंसा को बर्दाश्त नही किया है।ये दो धारायें आज भी एक दूसरे से समय समय पर टकराती है तो गांधी याद आते है।

गांधी जी एक ऐसे महान व्यक्ति थे, जिन्हें मानवता की समझ थी। उनकी जिंदगी ने मुझे बचपन से ही प्रेरित किया है। दलाई लामा के ये शब्द आज भी गांधी के प्रेरक व्यक्तित्व का दर्पण है। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति बराकओबामा के शब्दों में, अपनी जिंदगी में प्रेरणा के लिए मैं हमेशा गांधी की तरफ देखता हूं क्योंकि वह बताते हैं कि खुद में बदलाव कर साधारण व्यक्ति भी असाधारण काम कर सकता है।% वही रबिंद्रनाथ टैगोर का विचार रहा कि महात्मा गांधी लाखों बेसहारा लोगों के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं, उनसे उन्हीं की भाषा में बात करते हैं। आखिर और कौन है, जो इतनी सहजता से इस बड़े वर्ग को अपना रहा है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की सोच रही कि इस देश में जो लौ महात्मा गांधी के रूप में रोशन हुई, वह साधारण नहीं थी। यह लौ आने वाले हजारों सालों तक भी राह दिखाती रहेगी। लॉर्ड माउंटबेटन कहते थे कि इतिहास में

महात्मा गांधी को गौतम बुद्ध और ईसा मसीह के बराबर देखा जाएगा।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दो में,दो अक्तूबर को पोरबंदर में एक व्यक्ति ने जन्म नहीं लिया था बल्कि एक युग की शुरुआत हुई थी। मुझे इस बात पर पूरा विश्वास है कि वह आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी कहती है ,महात्मा गांधी ने दुनिया को अहिंसा,सत्यता,राष्ट्रभक्ति की राह दिखाई,सचमुच वे एक महान आत्मा थे। आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी की गिनती नरम नेता के रूप में होती थी।लेकिन उक्त आन्दोलन के गरम दल के नेता भी उनका उतना ही सम्मान करते थे जितना नरम दल के लोग उनका आदर भाव करते थे।

गरम दल के नेता के रूप में चर्चित रहे नेताजी सुभाष चन्द्र बोश भी उन्हे अपना नेता मानते थे। यही गांधी जी की अहिंसा की सबसे बडी कामयाबी थी। बैरिस्टर सम्मानजनक व्यवसाय को छोडकर देश के लिए वे आजादी के आन्दोलन में कूद पडे थे। उनका एक ही नारा था कि जैसे भी हो हम हथियार नही उठायेगे और बिना हथियार ही भारत मां को आजादी दिलायेगें। इसके लिए उन्होने स्वयं भी अंग्रेजो की लाठिया खायी और उन्हे बहुत सी यातना भी सहन करनी पडी। लेकिन देश की खातिर उन्होने कभी पीछे मुड़कर कर नही देखा।

अहिंसा के पुजारी मोहन दास कर्मचन्द गांधी जिन्हे सम्मान से बापू या फिर महात्मा गांधी कहते है,का दुनियाभर में आज भी उनकी विचारधारा रूप में नाम है और हमेशा रहेगा। देदी हमें आजादी बिना खडग बिना ढाल साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल पंक्तिया चरितार्थ कर दिखाने वाले बापू के प्रति दुनियाभर के लोगों ने भरपूर सम्मान प्रकट किया है।

करोडों देशवासी उन्हे महान सन्त मानते थे। लक्ष्य साधन में उनकी सच्चाई और निष्ठा पर उंगली नहीं उठाई जा सकती थी। महात्मा गांधी के जीवित रहने से सारा संसार सम्पन्न था और उनके निधन से दुनिया भर को लगा कि पूरा संसार ही विपन्न हो गया है। गांधी के परामर्श देश के लिए सदा सहायक सिद्ध हुए।जिनके बल पर देश को आजादी प्राप्त हुई।

महात्मा गांधी एक ऐसे योद्धा थे जिन्होंने बल प्रयोग का सदा विरोध किया। वे बुद्धिमान नम्र, द्रढसंकल्पी और निश्चय के धनी थे।सच तो यह है कि आधुनिक इतिहास में किसी भी एक व्यक्ति ने अपनी चरित्र की वैयक्तिक शक्ति, ध्येय की पावनता और अंगीकृत उद्देश्य के प्रति निस्वार्थ निष्ठा से लोगों के दिमागों पर इतना असर नहीं डाला, जितना महात्मा गांधी का असर दुनिया पर हुआ था।

गांधी के जीवन, धर्म, राजनीति, चिंतन में, स्वतंत्रता संघर्ष में या कह लें कहीं भी, उनका हर क्षण धर्म से प्रच्छन्न था। उसी से प्रेरित-निर्देशित था। उनके पास धर्मविहीन या धर्म से परे कुछ भी नहीं था। गांधी का यह धर्म, उनके व्यक्तिगत जीवन में असंदिग्ध रूप से हिंदू था और अन्य दूसरे धर्मों के प्रति पूरी तरह सहिष्णु और विनीत था। इस धर्म का ईश्वर, इसकी आध्यात्मिकता, आत्मा और नैतिकता उनकी अपनी गढ़ी हुई या चुनी गई परिभाषाओं से तय होती थी। उनकी व्यक्तिगत जीवन शैली और आचरण से परिभाषित होती थी।

गांधी के जीवन के संस्कार अस्तेय, सत्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य से बने थे। गांधी कमोबेश इन्हें अपने जीवन में, अपने कर्म और दर्शन में हमेशा उतारने की कोशिश करते रहे। गांधी ने जब सन 1920 में अपनी पहली बड़ी राजनैतिक लड़ाई शुरू की, तब तक वे देश के पारंपरिक और कट्टर हिंदुओं के लिए भी, राष्ट्रीयता, स्वतंत्रता संघर्ष और अंग्रेजों के शासन से मुक्ति की आकांक्षा के साथ-साथ, उनकी हिंदू आस्था के रक्षक और हिंदू धर्म के पुनरुद्धार का प्रतीक भी बन चुके थे। गांधी ने खुद भी, 12 अक्तूबर, सन1921 के यंग इंडिया में घोषणा की थीः मैं अपने को सनातनी हिंदू कहता हूं क्योंकि मैं वेदों, उपनिषदों, पुराणों और समस्त हिंदू शास्त्रों में विश्वास करता हूं और इसीलिए अवतारों और पुनर्जन्मों में भी मेरा विश्वास है। मैं वर्णाश्रम धर्म में विश्वास करता हूं। इसे मैं उन अर्थों में मानता हूं जो पूरी तरह वेद सम्मत हैं लेकिन उसके वर्तमान प्रचलित और भोंडे रूप को नहीं मानता।

मैं प्रचलित अर्थों से कहीं अधिक व्यापक अर्थ में गाय की रक्षा में विश्वास करता हूं। मूर्तिपूजा में मेरा विश्वास नहीं है।बावजूद इस सबके, गांधी का यह हिंदू धर्म या उनका हिंदुत्व, देश के तत्कालीन प्रमुख हिंदू संगठनों, हिंदू महासभा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हिंदुत्व से पूरी तरह अलग था।महात्मा गांधी की प्रार्थना सभाओं में कुरआन का पाठ होता था।

बाइबल और गीता उनके लिए बराबर का महत्व रखती थीं। गांधी का भारत वह भारत था, जिसमें समस्त स्तरों पर समानता के साथ, देश के समस्त धर्मों, जीवन पद्धतियों, उपासना पद्धतियों, रीति-रिवाजों का समावेश हो।उसी की आवश्यकता आज भी है। आने वाली पीढ़ियों को इस बात पर विश्वास करना मुश्किल होगा कि गांधी जैसा कोई व्यक्ति इस धरती पर चला करता था। अल्बर्ट आइंस्टीन के ये शब्द भावी पीढ़ी के मन मे गांधी की अहमियत का प्रमाण है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

लखनऊ कैंट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दिलप्रीत सिंह डीपी ने किया नामांकन

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस प्रत्याशी कैंट दिलप्रीत सिंह डीपी ने आज रिटर्निंग ऑफिसर प्रमोद कुमार पांडे के समक्ष नामांकन किया। इस अवसर पर समर्थकों की भारी भीड़ मौजूद रही। उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षों से कांग्रेस नेता दिलप्रीत सिंह डीपी कैंट विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्डों में घर-घर जाकर संपर्क कर रहे हैं। कांग्रेस नेता दिलप्रीत सिंह डीपी की पहचान घर-घर में बन चुकी है । कोरोना काल में इन्होंने जरूरतमंदों की विभिन्न तरीकों से मदद की। दिलप्रीत सिंह डीपी जनता के लिए सर्व सुलभ नेता हैं। कैंट क्षेत्र में अच्छी लोकप्रियता बनाए हुए हैं। नामांकन के पश्चात कांग्रेस प्रत्याशी दिलप्रीत सिंह डीपी ने बताया कि आज कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी के रुप में लखनऊ कैंट विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, चुनावी समर का शुभारंभ हो चुका है

आप सभी सम्मानित साथियों से अनुरोध है स्वयं को दिलप्रीत सिंह डीपी समझकर अपने अपने पोलिंग बूथ के हर मतदाता से मिलकर अपने भाई को विजय बनाने में अपना योगदान देकर मुझे आशीर्वाद प्रदान करें।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने कार्मिको के होम आइसोलेशन की समय सीमा संशोधित किए जाने के लिए मुख्य सचिव को पत्र लिखा

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश में कोविड-19 संक्रमण की दशा में फ्रंटलाइन कर्मचारियों को 14 दिन का होम आइसोलेशन अवकाश दिए जाने हेतु मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मांग की है । परिषद के महामंत्री अतुल मिश्रा का कहना है कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से कर्मचारियों द्वारा फोन करो बात कराया जा रहा है कि कोबिट संक्रमित होने के 7 दिन के बाद भी उन्हें अस्वस्थ होने की दशा में मजबूरी में ड्यूटी ज्वाइन करना पड़ रहा है जबकि जांच कराने पर वह फिर से पोसिटिव आ रहे हैं । ज्यादातर यह देखा जा रहा है कि मरीज 7 दिन में स्वस्थ नहीं हो रहा है और जो लक्षणयुक्त मरीज है 7 दिन बाद भी उन्हें लक्षण पूरी तरह समाप्त नहीं हो रहे हैं ।लेकिन वो 7 दिन बाद कार्यस्थल पर जा रहे हैं, ऐसी स्थिति में जो स्वस्थ कर्मचारी हैं उनके भी संक्रमण किए का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है । श्री मिश्रा ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि चिकित्सालय आदि में कार्यरत फ्रंटलाइन वर्कर वर्तमान में अधिकांशत: कोविड संक्रमित हो रहे हैं । गाइड लाइन में व्यवस्था दी गई है कि 7 दिन के संगरोध के उपरांत उसे अपनी ड्यूटी पर आना है और उन्हें दोबारा तज-चबत कराने की आवश्यकता नहीं है । परंतु ज्यादातर मामलों में यह देखा जा रहा है कि 7 दिन बाद भी शारीरिक परेशानियां समाप्त नहीं हो रही है और तजचबत कराने पर कार्मिक नेगेटिव नहीं पाया जा रहा है, ऐसे समय पर यदि कार्मिक द्वारा अपने विभागाध्यक्ष को अवगत कराया जाता है तो वे स्वयं असमंजस की स्थिति में हैं कि 7 दिन बाद भी कोविड पोसिटिव होने की स्थिति में कार्य करना है अथवा नहीं ? और उनको अवकाश अनुमन्य होगा अथवा नहीं ? इस विषय पर संदेह बना हुआ है और ज्यादातर कार्मिक पॉजिटिव होने की दशा में ही कार्य पर आ रहे हैं और संभवत: यह भी एक कारण है कि चिकित्सालय आदि के कर्मचारी बड़ी संख्या में संक्रमित होते जा रहे हैं । ज्ञातव्य है कि पूर्व में कार्मिकों को 14 दिन का संगरोध अवकाश स्वीकृत किया जाता था । परिषद के प्रमुख उपाध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि यदि कोई पॉजिटिव या संक्रमित कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर आकर अन्य कार्मिकों के साथ कार्य करता है तो यह विभिन्न नियमों एवं मानवीय मूल्यों के भी प्रतिकूल है । अत: राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने मुख्य सचिव से अनुरोध कियास् है कि यदि कोई कार्मिक विशेष तौर पर चिकित्सालयो में कार्य करने वाले कार्मिक 7 दिन के उपरांत भी अस्वस्थ होने की दशा में तज-चबत में पोसिटिव होते हैं तो उनका संगरोध अवकाश अगले 7 दिन तक बढ़ाए जाने हेतु गाइडलाइन जारी करने का कष्ट करें, जिससे जो कार्मिक अभी तक कोविड-19 संक्रमण से बचे हुए हैं, उन्हें बचाए रखा जाए और जनता का कार्य प्रभावित ना हो ।

पुलिस ने लिया जायजा, चोर से पूछताछ जारी

संवाददाता

बहराइच। बौंडी थाना क्षेत्र के चंदनापुर सिकड़िया बाजार में शुक्रवार रात को चोर पहुंच गए। चोरों ने मकान और चार दुकान से नकदी समेत नौ लाख रुपए की संपत्ति पार कर दी। ग्रामीणों ने एक चोर को पकड़ लिया है। अन्य फ रार हो गए हैं। बहराइच जिले के बौंडी थाना क्षेत्र के चंदनापुर सिकड़िया गांव में शुक्रवार देर रात को पहुंच गए। चोरों ने गांव निवासी मुन्ना जायसवाल के कपड़े की दुकान में चोरी की। यहां पर चोरों ने एक लाख से अधिक मूल्य के कपड़े और आठ हजार रुपए नकदी चुराई। इसके बाद चोर पड़ोसी युनुस के किराना स्टोर की दुकान में पहुंचे। सभी ने चोरी करते हुए प्रह्लाद सिंह के मकान में प्रवेश किया। यहां पर कपड़ा, बर्तन, अनाज और रुपए समेत डेढ़ लाख की चोरी के वारदात को अंजाम दिया। चौराहा निवासी गुड्डू की साइकिल और राजू मोबाइल की दुकान में चोर घुस गए। सभी ने

राष्ट्रीय युवा वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष बने अमित मौर्य

संवाददाता

लखनऊ। हिन्दू देव प्रकाश शुक्ला संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार मे। हिंदू अमित मौर्य जी को उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी जिम्मेदारी सौंपी जाती है हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप तन मन पूरे विश्व में संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे आपके मनोनयन पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज एवम राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी हिंदू देव प्रकाश शुक्ला राष्ट्रीय महासचिव डॉ राजीव लोचन शुक्ला राष्ट्रीय संयोजक प्रकाश मिश्रा जी राष्ट्रीय शासन प्रभारी श्यामानंद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुलकित आनंद राष्ट्रीय प्रभारी अजय गोस्वामी हिंदू पंडित हृदेश शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष गौ प्रकोष्ठ राष्ट्रीय सलाहकार बलराम सिंह यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष लीगल सेल एच एन मिश्रा राष्ट्रीय सचिव राजन मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिषेक राष्ट्रीय सचिव संस्कृति प्रकोष्ठ मनोज पाठक हिन्दू अनुराग तिवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिन्दू प्रशांत नीलकंठ अंबेडकर राष्ट्रीय अध्यक्ष विकलांग प्रकोष्ठ अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रोशनी शुक्ला राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपिका मिश्रा उत्तर प्रदेश प्रभारी दीपिका वर्मा सभी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया सभी लोगों ने आशा व्यक्त की आप संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे हम सभी आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

सही समय पर लक्षण पहचान कर करें निमोनिया का उपचार

सेव द चिल्ड्रन के सहयोग से आयोजित हुई मीडिया कार्यशाला

संवाददाता

बहराइच। सही समय पर निमोनिया के लक्षणों को पहचान कर बचपन को सुरक्षित किया जा सकता है। बैक्टीरिया, वायरस या धुएं के संक्रमण से होने वाली इस बीमारी से पांच साल तक की आयु के बच्चे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। सही समय पर इलाज न होने पर यह घातक हो सकता है।

जन समुदाय को इसके बारे में जागरूक कर इसे कम किया जा सकता है। इसमें मीडिया की बड़ी भूमिका है। यह बातें मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सतीश कुमार सिंह ने सेव द चिल्ड्रन के सहयोग से आयोजित मीडिया कार्यशाला में कही। उन्होंने बताया कि संस्था जनपद में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जनपद के दो ब्लाकों पयागपुर और हुजूरपुर में निमोनिया प्रबंधन पर काम कर रही है। इसमें आशाओं को गृह भ्रमण के दौरान निमोनिया के लक्षणों की पहचान और उपचार के बारे में सहयोग किया जाता है। इस मौके पर जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बृजेश सिंह ने बताया कि जनपद में आशाएं गृह भ्रमण के दौरान जन्म से 42 दिन तक के शिशुओं में निमोनिया की पहचान , उपचार एवम सन्दर्भन का काम करती हैं डॉ अजीत चंद्रा ने बताया कि नोमोनिया से बचाव के लिए पीसीवी वैक्सीन लगाई जाती है। उन्होंने बताया कि आशाएं गृह भ्रमण के दौरान नवजात शिशुओं में सांस की गिनती कर निमोनिया की पहचान करती हैं । सांस तेज होने पर शिशु को एनम के सहयोग से दवा व इंजेक्शन देकर उसे आगे अस्पताल में रेफर करती है। मीडिया के एक सवाल के जवाब में कि एक माँ कैसे इस बात को पहचाने कि उसे निमोनिया हुआ है? इसके जवाब में एसीएमओ डॉ योगिता जैन ने बताया कि निमोनिया का पहला लक्षण नवजात दूध पीना छोड़ देता है, उसकी सांस तेज हो जाती है और पसली धंसने लगती है। इनमें से कोई भी लक्षण होने पर तुरंत अस्पताल जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि दुनिया भर में निमोनिया से होने वाली मृत्यु भारत में ही है। उन्होंने बताया कि तेल मालिश निमोनिया का इलाज नहीं है बल्कि लक्षण होने पर जितनी जल्दी हो सके उसे अस्पताल ले जाना चाहिए। इस मौके पर एसीएमओ डॉ जयंत कुमार, एसीएमओ डॉ राजेश कुमार, मंडलीय कार्यक्रम प्रबंधक सिफसा एन एच एम राहुल पटेल, सेव द चिल्ड्रेन से अभिषेक मिश्रा,डीसीपीएम मो0 राशिद, आरकेएसके जिला सलाहकार राकेश गुप्ता, आरबीएसके समन्यवक गोविंद रावत , सीफार से मंडलीय समन्वयक सुशील वर्मा सहित जिले के सभी पत्रकार उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 मसूद अहमद की पत्नी श्रीमती अनीषा मसूद के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन

लखनऊ । राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 मसूद अहमद की पत्नी श्रीमती अनीषा मसूद के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें रालोद नेताओं और पदाधिकारियों ने 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की कि दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार को अपार दुख सहन करने की शक्ति एवं दिवंगत आत्मा को परम शान्ति प्रदान करें। शोक सभा में राष्ट्रीय सचिव अनिल दुबे, टीम आर0एल0डी0 के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर, प्रदेश

महासचिव संतोष यादव, प्रदेष सचिव एम0 ए0 आरिफ , बी0एल0 प्रेमी, रमावती तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, मनोज सिंह चौहान छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौहान, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव आरिफ महमूद, श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद पटेल, व्यवस्थाधिकारी इकराम सिंह, शशांक श्रीवास्तव, अमन पाण्डेय, महेश पाल, रामनाथ यादव, प्रमोद शुक्ला, हरपाल.

सपा से गोविंद नगर प्रत्याशी सम्राट विकास यादव ने नामांकन कराया

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर डॉक्टर इमरान के नेतृत्व में गोविंद नगर विधानसभा से प्रत्याशी सम्राट विकास यादव का नामांकन कराया गया। सम्राट विकास यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अखिलेश यादव ने मुझे मौका दोबारा दिया है एक बार उपचुनाव में दूसरी बार 2022 के विधानसभा चुनाव में किसान का बेटे को मौका दिया है जनता के बीच रहकर कार्य किया है कोविड-19 के दौर में लोगों के घर जा जाकर ऑक्सीजन भोजन पहुंचाने का कार्य किया है पूरा विश्वास है जनता साथ देगी।

नामांकन के दौरान नगर अध्यक्ष डॉक्टर इमरान, उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह पिंटू, अर्पित यादव पार्षद दल के नेता मोनू गुप्ता, इत्यादि लोग मौजूद रहे।

पूर्व सांसद सुशीला सरोज को सपा ने बनाया मलिहाबाद से विधायक प्रत्याशी तो फूट पड़ा जनाक्रोश

संवाददाता

लखनऊ । जनपद लखनऊ की ग्रामीण क्षेत्र की विधानसभा सीट मलिहाबाद से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा पूर्व सांसद सुशीला सरोज को विधायक प्रत्याशी घोषित किए जाने पर पूरी विधानसभा में जनाक्रोश फूट पड़ा।बताते चलें कि मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी से ही सुशीला सरोज सांसद रह चुकी है जिससे विधानसभा मलिहाबाद के लोग इनकी कार्यशैली से चिर परिचित है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सांसद रहते हुए इन्होंने मलिहाबाद के आम जनमानस से कोई सरोकार नहीं रखा। स्नातक सदस्य विधान परिषद एवं शिक्षक सदस्य विधान परिषद चुनाव-2021 के दौरान सुशीला सरोज ने राजनैतिक मंचों से खुलेआम घोषणा की थी कि मैं अब अपने जीवन काल में कोई चुनाव नहीं लड़ूंगी। ऐसे में क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और लोगों में गुस्सा फ ूटना लाजमी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव 2022 में चुनाव लड़ने वाले इच्छुक दावेदारों से अग्रिम आवेदन मांग लिया था। आवेदन कर्ताओं में डॉक्टर मोहन लाल पासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य लखनऊ एवं जिला अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ सपा लखनऊ, पूर्व विधायक प्रत्याशी राजबाला, पूर्व विधायक इंदल रावत, पूर्व सांसद प्रत्याशी सीएल वर्मा, सोनू कनौजिया आदि प्रमुख नाम है। विधानसभा मलिहाबाद पासी बाहुल्य मतदाताओं वाला क्षेत्र है। जातीय गुणा गणित के चलते जिस प्रत्याशी की पासी समाज पर मजबूत पकड़ है वही विजयी पताका फहराने में सक्षम होगा। डॉक्टर मोहन लाल पासी विगत कई वर्षों से गरीब, असहाय सर्व समाज की बालिकाओं का सामूहिक विवाह कराते चलें आ रहे हैं। डॉक्टर मोहन लाल पासी की पासी समाज के बीच और सर्व समाज के बीच अच्छी- खासी पैठ है। डॉक्टर मोहन लाल पासी विधानसभा मलिहाबाद के स्थानीय निवासी है और पेशे से डॉक्टर हैं। क्षेत्रीय होने के कारण इनकी सभी समाजों के बीच मजबूत पकड़ है। सूत्रों की माने तो पूर्व सांसद सुशीला सरोज के दामाद पूर्व विधायक मनीष रावत सीतापुर की विधानसभा सीट सिधौली से समाजवादी पार्टी से टिकट न मिलने के कारण भाजपा में शामिल हो गए।

नामांकन के तीसरे दिन कुल 39 नामांकन पत्र खरीदे गये :-जिला निर्वाचन अधिकारी

संवाददाता

हरदोई ।जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कुमार ने बताया है कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 हेतु आज नामांकन के तीसरे दिन जनपद के अन्तर्गत आने वाली कुल 08 विधान सभा क्षेत्रों हेतु नामांकन के कुल 39 नामांकन पत्र खरीदे गये, तथा आज कुल 06 नामांकन पत्र दाखिल किये।

उन्होने बताया है कि विधान सभा क्षेत्र सवायजपुर-154 में कुल 05 नामांकन पत्र खरीदे गयें जिसमें से श्याम सिंह ने 02, नीरज शुक्ला ने 02 व विजय बहादुर ने 01 सेट खरीदा। इसी प्रकार विधान सभा क्षेत्र शाहाबाद-155 में कुल 07 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से राम किशोर ने 02, सुखेन्दु सिंह ने 01, शिव कुमार गुप्ता ने 01 व ज्ञानोर्जन ने 02 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र हरदोई-156 में कुल 04 नामांकन पत्र खरीदे गयें जिसमें से शोभित पाठक ने 03 व अभिषेक सिंह ने 01 सेट खरीदे। विधान सभा क्षेत्र गोपामऊ-157 में कुल 04 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से सुनील कुमार ने 01, चन्द्रपाल वर्मा ने 01 व पुनीत कुमार वर्मा ने 02 सेट खरीदे। विधान सभा क्षेत्र साण्डी-158 में कुल 06 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से अनूप कुमार ने 01, राम सागर ने 01, शिवम पाण्डेय ने 02, राम बाबू ने 01 व राम कुमार वर्मा ने 01 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र बिलग्राम-मल्लावां-159 में कुल 04 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से चन्द्र किशोर सिंह ने 01, सच्चिदानन्द पाण्डेय ने 01, रमेश सिंह ने 01 व गंगाराम ने 01 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र बालामऊ-160 में कुल 03 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से राम कृष्ण ने 01, अर्पित वर्मा ने 01 व अशोक कुमार वर्मा ने 01 सेट खरीदा। इसी प्रकार विधान सभा क्षेत्र सण्डीला-161 में कुल 06 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से अलका सिंह ने 02, मो0 फ खरूद्दीन ने 02 व अंजुल कुमार ने 02 सेट खरीदे।

उन्होने बताया है कि नामांकन के तीसरे दिन विधान सभा क्षेत्र-154 से भाजपा उम्मीदवार माधवेन्द्र प्रताप सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया तथा निर्दलीय उम्मीदवार उदयवीर ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया।

इसी प्रकार विधान सभा क्षेत्र-155 से सपा उम्मीदवार मो0 आसिफ खॉ 'बब्बू' ने तथा निर्दलीय उम्मीदवार नसरीन बानों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान सभा क्षेत्र-156 हरदोई से निर्दलीय उम्मीदवार रामकृष्ण ने रिर्टनिंग आफिसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया तथा विधान सभा क्षेत्र-161 सण्डीला से सुहैलदेव भारतीय समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार सुनील कुमार ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस प्रकार नामांकन के तीसरे दिन कुल 06 लोगो ने रिर्टनिंग आफीसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर नामांकन पत्र दाखिल किया।

भाजपा प्रत्याशी गौरव वर्मा का हुआ जोरदार स्वागत

बहराइच । भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा कैसरगंज से घोषित प्रत्याशी युवा नेता गौरव वर्मा का प्रथम विधानसभा क्षेत्र आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। भाजपा प्रत्याशी गौरव वर्मा के नाम की घोषणा के बाद लखनऊ से बहराइच आ रहे भाजपा प्रत्याशी के स्वागत के लिए सुबह से भाजपा कार्यकर्ता संजय सेतु घाघराघाट पर जा पहुचे। लगभग 11 बजे बजे घाघरा घाट पहुचे श्री वर्मा का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत घाघरा घाट,जरवल रोड ,धनराजपुर मोड़,परसा,व जरवल में लोकतंत्र सेनानी प्रमोद गुप्ता की अगुवाई में जरवल पुलिस चौकी के पास मौजूद सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। अपने स्वागत से अभीभूत श्री वर्मा ने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया।इस अवसर पर मनीष गुप्ता नामित सभासद भाजपा,अभिजीत गुप्ता,रौनक गुप्ता,सूरज गुप्ता,कृष्ण मुरारी अग्रवाल, सचिन अग्रवाल,अनिल सोनी, राजाराम यादव,सौरभ कसौधन,पवन वर्मा,सूरज सिंह,सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता व वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

चोरों ने चार दुकान और एक मकान से नौ लाख की संपत्ति उड़ाई

चंदनापुर गांव में चोरों का धावा, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात एक चोर को ग्रामीणों ने पकड़ा, अन्य फरार

संवाददाता

बहराइच। बौंडी थाना क्षेत्र के चंदनापुर सिकड़िया बाजार में शुक्रवार रात को चोर पहुंच गए। चोरों ने मकान और चार दुकान से नकदी समेत नौ लाख रुपए की संपत्ति पार कर दी। ग्रामीणों ने एक चोर को पकड़ लिया है। अन्य फरार हो गए हैं। बहराइच जिले के बौंडी थाना क्षेत्र के चंदनापुर सिकड़िया गांव में शुक्रवार देर रात को पहुंच गए। चोरों ने गांव निवासी मुन्ना जायसवाल के कपड़े की दुकान में चोरी की। यहां पर चोरों ने एक लाख से अधिक मूल्य के कपड़े और आठ हजार रुपए नकदी चुराई। इसके बाद चोर पड़ोसी युनुस के किराना स्टोर की दुकान में पहुंचे। सभी ने चोरी करते हुए प्रह्लाद सिंह के मकान में प्रवेश किया। यहां पर कपड़ा, बर्तन, अनाज और रुपए समेत डेढ़ लाख की चोरी के वारदात को अंजाम दिया। चौराहा निवासी गुड्डू की साइकिल और राजू मोबाइल की दुकान में चोर घुस गए। सभी ने लाखों रुपए की संपत्ति चुराई। चोरी करते हुए वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। ग्रामीणों ने एक चोर को घेरकर पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सभी पांच स्थान से नौ लाख रुपए की संपत्ति चोरों ने पार की है। ग्रामीणों में दहशत है। काफी संख्या में लोग एकत्रित हैं। थानाध्यक्ष और अन्य पुलिस बल मौके पर मौजूद हैं। एएसपी ग्रामीण अशोक कुमार का कहना है कि जल्द ही चोरी का खुलासा कर दिया जायेगा।

सीतापुर का बता रहा निवासी

चंदनापुर गांव में ग्रामीणों ने जिस चोर को पकड़ कर पुलिस को सौंपा है। वह अपना नाम ठाकुर प्रसाद बता रहा है। साथ ही अपने को सीतापुर जिले का निवासी बता रहा है। पुलिस के मुताबिक जल्द ही इसके साथियों को पकड़ लिया जाएगा।

वरुण, दाऊद, सुनील पर लगी मुहर, सपा ने दिया टिकट

संवाददाता

लखीमपुर। भारी मंचन के बाद आखिरकार सपा ने शेष तीनों सीटों पर प्रत्यशियों के नामों से पर्दा हटा दिया है। मोहम्मदी से दाउद अहमद, धौरहरा से वरुण चौधरी और कस्ता से सुनील लाला के नाम पर मुहर लगी है। पांच प्रत्याशियों के नाम पहले ही फाइनल कर दिए गए थे, लेकिन इन विधानसभाओं में इनका टिकट जारी होते ही गुरुवार को वरुण व सुनील लाला के नामांकन फार्म भी खरीदे गए। सपा जिलाध्यक्ष रामपाल यादव ने तीनों विधानसभा सीटों पर अधिकृत प्रत्याशी के नामों की जानकारी दी। उनके मुताबिक पूर्व में सपा ने श्रीनगर से रामसरन, सदर से उत्कर्ष वर्मा, निघासन से आरएस कुशवाहा, पलिया से प्रीतेंदर सिंह काकू

और गोला से विनय तिवारी का टिकट फाइनल किया था। मोहम्मदी, कस्ता और धौरहरा की सीट पर प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया चल रही थी। इस बीच इन तीनों सीटों पर दावेदारों की लंबी चौड़ी लिस्ट और उनके प्रभाव का आकलन किया गया। बताया गया कि अन्य दलों के उतारे गए प्रत्याशी के समीकरण का भी ध्यान रखा जा रहा है। वैसे इन तीनों सीटों पर सपा द्वारा प्रत्याशियों का एलान न किए जाने के कारण हर दावेदार दावा कर रहा था कि उसे ही टिकट मिल रहा है। सपा की मीरा बानो व आनंद मोहन बसपा में पिछली बार श्रीनगर सीट से सपा की उम्मीदवार रहीं मीरा बानो ने बसपा का दामन थाम लिया है। वहीं धौरहरा के बड़े सियासी घराने के सदस्य आनंद मोहन त्रिवेदी भी अब हाथी पर सवार हो गए हैं।

बसपा जिलाध्यक्ष अजय चौधरी ने बताया कि गुरुवार को सपा नेता मीरा बानो अपने तमाम समर्थकों व कार्यकर्ताओं के साथ बसपा में शामिल हो गई हैं साथ ही बसपा के बढ़ते जनाधार को देखते हुए धौरहरा से आनंद मोहन त्रिवेदी भी अब बसपा में आ गए है। इन नेताओं के बसपा में शामिल होने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया।

रोहिणी फैमिली मार्ट ओमेगा तिवारीगंज निशुल्क वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ व्यापारी एसोसिएशन द्वारा कोरोना से बचाव हेतु लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया जा रहा है

इस क्रम में लखनऊ व्यापारी एसोसिएशन के तिवारीगंज इकाई के अध्यक्ष अभिनंदन शाह एवं उनकी टीम उपाध्यक्ष महेश कुमार उपाध्यक्ष सज्जन कुमार खेमका महासचिव विजय गुप्ता कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रूपा द्वारा दिनांक 29 जनवरी 2022 को रोहिणी फै मिली मार्ट ओमेगा तिवारीगंज लखनऊ मी निशुल्क वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया इस अवसर पर 15 साल से18 साल के बच्चों को कोवैक्सीन एवं बड़ों को कोवी शिल्ड व 60 साल के ऊपर के लोगों को बूस्टर डोज लगाया गया

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्रीमती गीता सिंह प्रदेश महासचिव विकास मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ नेत्र सर्जन डॉक्टर श्यामल आनंद प्रदेशसंगठन मंत्री अशोक यादव प्रदेश सलाहकार आरके आनंद प्रदेश प्रवक्ता मंजू आनंद नगर प्रवक्ता दिव्या आनंद अध्यक्ष चित्रांशु राय कार्यालय मंत्री जेपी श्रीवास्तव अमराई गांव अध्यक्ष मोहम्मदअजमल चांद इंदिरा नगर अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव नगर सचिव युगांक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

200 कछुआ की तस्करी करने वाला तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

हरदोई। संरक्षित जीव 200 कछुआ की तस्करी के लिए ले जा रहे तस्कर को बालामऊ जंक्शन स्टेशन के पास एसटीएफ व वन विभाग की संयुक्त टीम ने पकड़ लिया।

मुखबिर द्वारा विभागीय अधिकारियों को सूचना मिली कि तस्करों द्वारा कई जिलों में कछुआ तस्करी का कार्य चल रहा है। तस्कर आसपास के जिलों में कछुआ पकड़कर दूसरे राज्यों में सप्लाई करते हैं। एसटीएफ टीम जिसमें अरविंद कुमार, राम सिंह, वन विभाग से क्षेत्राधिकारी रामचंद्र, वन दरोगा सुशील कुमार, अशोक कुमार, रोहित कुमार, आशीष कुमार ने तस्कर मो.कमर पुत्र छेदन निवासी इस्लाम नगर,

लुधियाना, पंजाब को एक थैला समेत दबोच लिया, थैले में 200 कछुए थे।

ये कछुए इंडियन टेट टारटिल प्रजाति के थे। ऐसे कछुए गंगा नदी में पाए जाते हैं।

यह पानी की गंदगी को साफ करते हैं। कछुआ सबसे ज्यादा आयु तक जीने वाला जीव है।

तस्कर के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 2, 9, 39, 48।, 49, 50, 51 के तहत कार्यवाही करते हुए न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया गया। इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

इस कार्रवाई से कछुओं की तस्करी करने वालों में हड़कंप मच गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले के हर पहलू की जांच कर रही है।

नामांकन के तीसरे दिन कुल 06 लोगो ने रिर्टनिंग आफीसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर नामांकन पत्र दाखिल किया:-जिला निर्वाचन अधिकारी

बिग बॉस 15 में शमिता शेट्टी के बॉयफ्रेंड राकेश बापट ने लगाई तेजस्वी प्रकाश की क्लास

कलर्स टीवी पर प्रसारित होने वाला रियलिटी शो बिग बॉस 15 काफी इंट्रेस्टिंग रहा। अब यह शो अपने फिनाले में पहुंच गया है और 29 एवं 30 जनवरी को इस फिनाले का प्रसारण होगा। वहीं शो के फिनाले से ठीक पहले शो का एक लेटेस्ट प्रोमो सामने आया है। जिसमें शो की फाइनलिस्ट शमिता शेट्टी के बॉयफ्रेंड राकेश बापट तेजस्वी प्रकाश की क्लास लगाते नजर आ रहे हैं।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि शो की कंटेस्टेंट शमिता शेट्टी और तेजस्वी प्रकाश की आपस में बिलकुल नहीं बनती। दोनों को कई बार फाइट करते भी देखा गया है। वहीं अब शो का लेटेस्ट प्रोमो सामने आया है, जिसमें राकेश शमिता की साइड लेते हुए तेजस्वी से कहते हैं कि वह ये बात क्यों नहीं समझती शमिता करण में इंट्रेस्टेड नही हैं। अभिनेता राकेश बापट ने कहा कि वह जब टीवी देखते हैं तो उन्हें तोड़ने का मन करता है क्योंकि तेजस्वी शमिता को जिस तरह से ट्रीट करती हैं, उससे उन्हें बहुत गुस्सा आता है। राकेश ने वो भी सवाल किया जब शमिता टास्क के दौरान करण की पीठ पर बैठी थीं और तेजस्वी ने उन्हें धक्का मार दिया था। तेजस्वी राकेश को समझाने की कोशिश करती हैं कि शमिता ने जो किया वो उसके बदले का रिएक्शन था। लेकिन राकेश और गुस्सा हो जाते हैं।तेजस्वी ने शमिता को मजाक में आंटी कहा था, इस बात पर भी राकेश नाराजगी जाहिर करते हैं और तेजस्वी की बातों का जवाब देते हुए कहते हैं ये पूरी तरह बकवास है।

कंगना रनौत ने कोविड-19 से रिकवर हुए लोगों को दी खास सलाह

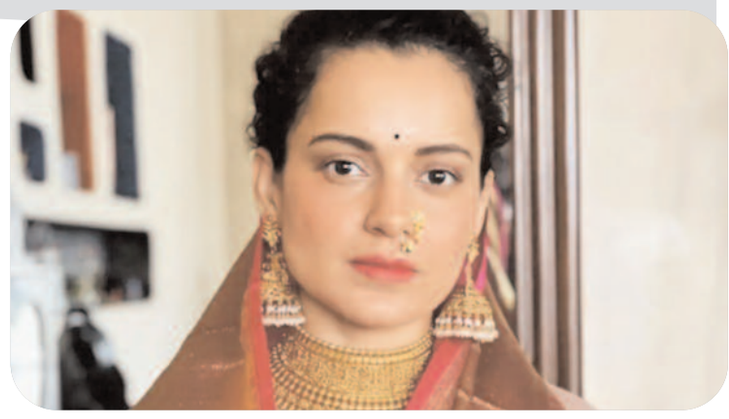

बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा कर कोविड -19 से ठीक हुए लोगों को खास सलाह दी है।

अपनी पोस्ट में कंगना ने लिखा-वे सभी जो कोविड -19 से संक्रमित हुए थे या वैक्सीन लगवाई हो, कृपया अपने विटामिन डी3 और बी12 के स्तर की जांच कराएं और उनके सप्लीमेंट्स को बिना किसी देरी के शुरू करें... योग और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें या आपने किसी अन्य प्रकार का व्यायाम करते हैं, तो उसमें ध्यान या प्राणायाम को जरूर शामिल करें। आपको नहीं पता कि आपका शरीर कैसे स्ट्रागल कर रहा है। जब तक कि इसके काम को परिस्थितियों से ना परखा जाए.... अपना ख्याल रखें।

अपने बेबाक बयानों के कारण चर्चा में रहने वाली कंगना रनौत सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और हर मुद्दे पर अपनी बात बेबाकी से रखती है। कंगना रनौत इन दिनों अपनी प्रॉडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली फिल्म टीकू वेड्स शेरू को लेकर चर्चा में हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर अभिनीत इस फिल्म को कंगना रनौत प्रोड्यूस कर रही

पंजाबी गायक गिप्पी ग्रेवाल को वाघा सीमा से पाक में प्रवेश करने से रोका गया : रिपोर्ट

पंजाबी अभिनेता-गायक गिप्पी ग्रेवाल को वाघा सीमा से पाकिस्तान में प्रवेश करने से रोक दिया गया क्योंकि भारतीय आव्रजन अधिकारियों ने कथित तौर पर उन्हें अटारी चेकपोस्ट पर रोक दिया था।

डॉन न्यूज ने एक रिपोर्ट में कहा कि इवैक्यूई प्रोप्राइटी ट्रस्ट बोर्ड के सूत्रों के अनुसार, सीमा पर गायक की अगवानी की व्यवस्था की गई थी क्योंकि वह करतारपुर जाने वाले थे।

ईटीपीबी के एक अधिकारी ने डॉन को बताया, उन्हें (शुक्रवार को) सुबह 9.30 बजे (शुक्रवार को) करतारपुर (नरोवाल) जाना था और दोपहर 3.30 बजे तक लाहौर लौटना था। बाद में, गिप्पी को गवर्नर हाउस में एक स्वागत समारोह में शामिल होना था। 29 जनवरी को, उन्हें अपनी वापसी से पहले ननकाना साहिब जाना था।

एक अन्य सूत्र के अनुसार, ग्रेवाल को छह या सात अन्य लोगों के साथ दो दिवसीय यात्रा पर वाघा सीमा से पाकिस्तान में प्रवेश करना था, लेकिन उन्हें अटारी चेकपोस्ट पर रोक दिया गया।

उन्होंने कहा, उन्हें लाहौर में गुरुद्वारा दरबार साहिब का भी दौरा करना था और फिर उन्होंने गवर्नर हाउस में बैठकें कीं। अगले दिन उन्हें सिख धार्मिक स्थल पर सम्मान देने के लिए ननकाना साहिब के लिए रवाना होना था।

डॉन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने कहा कि ग्रेवाल की पाकिस्तान में फिल्मी लोगों के साथ गवर्नर हाउस में दोनों पक्षों के बीच संयुक्त फिल्म उपक्रमों पर चर्चा करने के लिए बैठकों का एक लंबा कार्यक्रम था।

उन्होंने कहा कि पिछली बार जब ग्रेवाल करतारपुर गए थे, तो उन्होंने लोगों से मुलाकात की थी और पाकिस्तानियों और उनके द्वारा देखी गई जगहों के लिए बहुत उत्साह, गर्मजोशी और प्यार दिखाया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उनकी यात्रा को पाकिस्तानी मीडिया में पर्याप्त कवरेज दिया गया था।

ग्रेवाल पाकिस्तान में एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं। विशेष रूप से पंजाबी फिल्म दर्शकों के साथ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी, उनकी फिल्में, जैसे कैरी ऑन जुट्टा और लकी दी अनलकी स्टोरी लोकप्रियता चार्ट में सबसे ऊपर हैं।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में फिल्म और थिएटर बिरादरी ने ग्रेवाल को रोकने के लिए भारतीय अधिकारियों की निंदा की।

कॉमेडियन इफ्तिखार ठाकुर ने कहा कि कलाकार हमेशा राष्ट्रों के बीच सेतु बनाते हैं।

उन्होंने कहा, यह बहुत दुखद है कि ग्रेवाल को इस तरह पाकिस्तान में प्रवेश करने से रोक दिया गया।

'बिग बॉस 15' के फिनाले पर पहुंचते ही बिलख पड़ीं शहनाज गिल, सलमान की भी आंखों से छलके आंसू

जिस घड़ी का फैंस इंतजार कर रहे थे, वो बस आने वाली है। हिंदुस्तान की शहनाज गिल आज यानी 29 जनवरी की रात को बिग बॉस 15 के ग्रैंड फिनाले में शामिल होंगी, जिसकी थोड़ी सी झलक प्रोमो में दिखाई गई है। इस 1 मिनट 30 सेकेंड का प्रोमो देखकर हर किसी की आंखें नम हो जाएंगी। शहनाज जैसे ही स्टेज पर सलमान खान को देखती हैं, बिलख पड़ती हैं। खुद सलमान भी अपने आंसू नहीं रोक पाते हैं।

कलर्स चैनल ने सोशल मीडिया पर ग्रैंड फिनाले ऐपिसोड का प्रोमो शेयर किया है। इसमें शहनाज गिल को परफॉर्म करते देखा जा रहा है। बिग बॉस 13 में सिद्धार्थ शुक्ला के साथ मस्ती-मजाक करने वाली शहनाज आज अकेले बिग बॉस 15 के सेट पर दिखेंगी। वो सिद्धार्थ की यादों तो एक बार फिर से जिएंगी।

शहनाज गिल जब स्टेज पर पहुंचती हैं तो सलमान भी उनका खुले दिल से स्वागत करते हैं। वो कहते हैं, पूरे हिंदुस्तान की शहनाज गिल। लेकिन सलमान को देखते ही शहनाज के आंसू निकल पड़ते हैं। वो दर्दभरी मुस्कान के साथ कहती हैं, आपको देखकर इमोशनल हो गई।

सलमान उन्हें गले लगा लेते हैं और उनके भी आंसू छलक पड़ते हैं। दोनों ही सिद्धार्थ को याद करते हैं। उनकी आंखें नम हो जाती हैं। फैंस बहुत इमोशनल हैं। एक फैन ने लिखा, शहनाज को रोता हुआ नहीं देख सकते। एक और फैन ने लिखा, इस वीडियो ने मुझे रुला दिया।

बिग बॉस 15 का ग्रैंड फिनाले आज यानी 29 जनवरी और 30 जनवरी को है। कंटेस्टेंट्स की बात करें तो करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश, निशांत भट्ट, प्रतीक सहजपाल, रश्मि देसाई और शमिता शेट्टी टॉप 6 में पहुंचे हैं। इनमें से कौन इस सीजन का विनर बनेगा, ये 30 जनवरी को पता चल जाएगा।

सलमान खान का नया गाना आउट, ठुमके लगाते नजर आए आमिर खान, संजय दत्त, कटरीना कैफ

सलमान खान का नया गाना डांस विद मी रिलीज हो चुका है। 4.29 मिनट के इस वीडियो को आधे घंटे के अंदर-अंदर 10 हजार से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। ऐक्टर ने गाने को खुद गाया है। इसमें उन्होंने अपने हर रिश्तेदार को इंट्रोड्यूस करवाया है। फैन्स से लेकर अपने दादा-दादी और नाना-नानी के मम्मी-पापा तक का जिक्र किया है। भाई अरबाज खान और सोहेल खान, मम्मी सुशीला चरक, पापा सलीम खान के साथ-साथ अपनी बहनों, भतीजों और भांजो को भी अपने इस गाने में जोड़ा है। वहीं फैन्स और दोस्तों के साथ कटरीना कैफ और आमिर खान भी ठुमके लगाते नजर आ रहे हैं।

हाल में ही प्रज्ञा के साथ सलमान खान का गाना मैं चला रिलीज हुआ था जिसे यूलिया और गुरु रंधावा ने गाया था। और अब उनका दूसरा गाना सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। इस गाने की शुरुआत में पहले सलमान अपना ब्रेसलेट और लुक फ्लॉन्ट करते हुए दिखाई देते हैं। फिर वह अपने बॉडीगार्ड और परिवार के हर एक सदस्य के साथ ठुमके लगाते नजर आते हैं। इतना ही नहीं, इनके इस वीडियो में कई बॉलिवुड सितारे भी हैं। जिनमें से उन्होंने अनिल कपूर को जूनियर, जैकी श्रॉफ को सीनियर, आमिर खान, शाहरुख खान, कटरीना कैफ, जेनेलिया डिसूजा, जैकलीन फर्नांनडिस को अपना दोस्त और माधुरी दीक्षित को कलीग कहा है।

इनके अलावा वीडियो में मिथुन चक्रवर्ती, धर्मेंद्र, सनी देओल, बॉबी देओल, लूलिया, बिपाशा बासु, प्रभु देवा, सुनील शेट्टी, करीना कपूर, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा, सोनाक्षी सिन्हा, आमिर खान, कटरीना कैफ और संजय दत्त भी ठुमके लगाते दिखाई दे रहे हैं।

रसिका दुग्गल ने शुरू किया स्पाइक का दूसरा शेड्यूल

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में स्पाइक के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है।

शेड्यूल पहले 17 जनवरी को अभिनेता के जन्मदिन पर शुरू होने वाला था। हालांकि, कोविड-19 की तीसरी लहर के साथ बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के कारण, स्पाइक की टीम ने इसे स्थगित कर दिया।

अपनी भूमिका के लिए नए कौशल सीखने को लेकर रोमांचित रसिका ने स्पाइक की शूटिंग शुरू करने से पहले मुंबई में तीन महीने तक वॉलीबॉल का प्रशिक्षण लिया।

रसिका कहती हैं, बहुत आगे-पीछे, कई बाधाओं और हमारी तारीखों को साकार करने के कई प्रयासों के बाद .., हम आखिरकार स्पाइक का दूसरा शेड्यूल शुरू करने में कामयाब रहे हैं। जैसे-जैसे हम अंत के करीब आते हैं, मैं इसके बारे में उत्सुक हूं यह कहानी एक साथ कैसे आएगी।

जब मैं ब्रेक के बाद किसी किरदार में वापस जाती हूं तो मैं हमेशा थोड़ा नर्वस रहती हूं। लेकिन उस घबराहट को गले लगाना और उसके साथ काम करना हमेशा अच्छा होता है। देखते हैं कि यह शेड्यूल अपने साथ क्या अनुभव लाता है! आखिरकार, पहाड़ियां हमेशा जादू को प्रेरित करती हैं।

रसिका की आने वाली परियोजनाओं में दिल्ली क्राइम सीजन 2, लॉर्ड कर्जन की हवेली और कुछ और अघोषित परियोजनाएं शामिल हैं।

शांतनु भाग्यराज ने नकली रावण कोट्टम वीडियो के बारे में प्रशंसकों को किया सचेत

अभिनेता शांतनु भाग्यराज ने शनिवार को प्रशंसकों और फॉलोवर्स को एक फर्जी वीडियो के बारे में सचेत करते हुए कहा कि बदमाशों ने उनकी आने वाली फिल्म रावण कोट्टम का ट्रेलर जारी होने का दावा किया है। अभिनेता, जो अनुभवी निर्देशक के भाग्यराज के बेटे हैं, उन्होंने अलर्ट जारी करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने कहा, मेरी अगली फिल्म रावण कोट्टम के ट्रेलर के रूप में सोशल मीडिया में एक नकली वीडियो प्रसारित किया जा रहा है। कृपया इसे अनदेखा करें। आधिकारिक ट्रेलर जल्द ही रिलीज हो जाएगा और अन्य विवरणों की आधिकारिक घोषणा जल्द ही की जाएगी। धन्यवाद। कन्नन रवि द्वारा निर्मित, रावण कोट्टम का निर्देशन विक्रम सुगुमरन ने किया है, जिसे समीक्षकों द्वारा प्रशंसित हिट फिल्म माधा यानै कूटम बनाने के लिए जाना जाता है। फिल्म में कायल आनंदी मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही प्रभु, इलावरसु, सुजाता शिवकुमार, अरुल्डॉस और दीपा शंकर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

खेसारी लाल यादव और अक्षरा सिंह के नये गाना का टीजर रिलीज

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव और अभिनेत्री अक्षरा सिंह के नये गाना का टीजर रिलीज हो गया है।

पानी-पानी की सुपर सफलता के बाद खेसारी लाल यादव और अक्षरा सिंह फिर से धमाल करने को तैयार हैं।अक्षरा सिंह और खेसारी लाल यादव का एक और धमाकेदार गाना वेलेंटाइन डे के अवसर पर सारेगामा हम भोजपुरी से रिलीज होने वाला है। इस गाने का टीजर आज जारी किया गया है।

सारेगामा हम भोजपुरी के बद्रीनाथ झा ने बताया कि यह गाना भी बेहद रॉकिंग होने वाला है। उन्होंने कहा कि प्यार का महीना शुरू होने वाला है। ऐसे में सारेगामा हम भोजपुरी अपने दर्शकों के लिए सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले रोमांटिक जोड़ी अक्षरा सिंह और खेसारी लाल यादव को लेकर एक बेहद खूबसूरत गाना लेकर आने को तैयार है। प्रेम के दीवानों के लिए यह गाना वेलेंटाइन गिफ्ट होगा। इसकी तैयारी जोड़ शोर से चल रही है। हमें उम्मीद है कि जिस तरह से लोगों ने पानी पानी भोजपुरी को खूब पसंद किया, उस तरह एक बार फिर से खेसारी और अक्षरा का यह गाना भी उन्हें खूब पसंद आएगा। इसलिए अपील है कि आप हमारे आने वाले गाने को जरूर सुनें।

विद्युत जामवाल ने कलारीपयट्टू के लिए दिया दान

एक्शन स्टार विद्युत जामवाल ने छात्रों को जीवन भर समर्थन और बढ़ावा देने के वादे के साथ एकवीरा कलारीपयट्टू अकादमी को 5 लाख रुपये की राशि दान में दी है।

विद्युत ने कहा कि भारत के पारंपरिक स्वास्थ्य (देखभाल और रोकथाम) के तरीकों को फिर से सक्रिय करने की आवश्यकता है। कलारीपयट्टू आज के समय में जीवित सबसे अच्छी उपलब्ध प्राचीन स्वास्थ्य संस्कृति है। इस कला को दुनिया के सामने लाना समय की मांग है।

केरल से शुरू करके, कलारीपयट्टू और कलारिस (स्कूलों) के गुरुओं को वित्तीय सहायता और समर्थन देना पहला कदम है। मेरे पास कलारीपयट्टू के लिए बड़ी योजनाएं हैं।

लूप लपेटा के निर्देशक आकाश भाटिया ने फिल्म को लेकर बात की

विज्ञापन-फिल्म निर्माता आकाश भाटिया, ने तापसी पन्नू और ताहिर राज भसीन स्टारर फिल्म लूप लपेटा के शीर्षक के पीछे के कारण का खुलासा किया है।

यह फिल्म जर्मन कल्ट क्लासिक एक्सपेरिमेंटल थ्रिलर रन लोला रन की रीमेक है और आकाश शीर्षक को देसी टच देना चाहते थे, इसलिए सभी ने सर्वसम्मति से लूप लापेटा को चुना गया।

टिप्पणी करते हुए, निर्देशक ने कहा कि कुछ विचार हमारे पास थे, जब हम शीर्षक चुन रहे थे। मुझे एहसास हुआ कि फिल्म को देसी टच देने की जरूरत है।

आयुष माहेश्वरी के साथ सोनी पिक्चर्स फिल्म्स इंडिया और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित लूप लपेटा 4 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

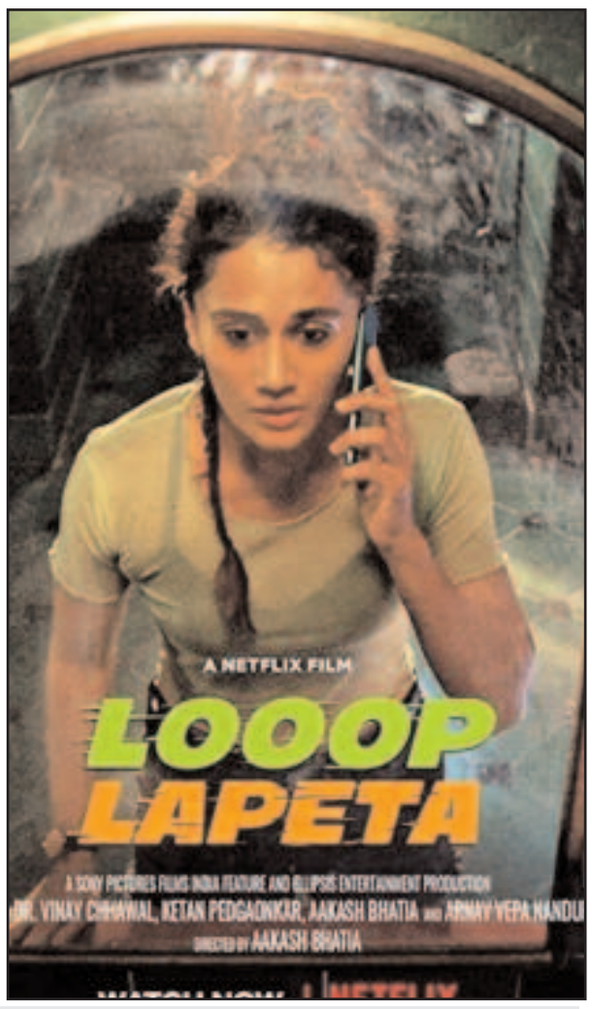

बढ़ती उम्र में इस तरह करें मेकअप

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, त्वचा के कसाव में कमी आना, झुर्रियां, आखों का ड्राई होना और न जाने कितनी ही समस्याओं से महिलाओं को दो चार होना पड़ता है। ऐसे में अपने चेहरे की कमियों को छिपाने और खुद को आकर्षक दिखाने के लिए वह मेकअप का सहारा लेती हैं। लेकिन बढ़ती उम्र में आपके मेकअप के तरीके में बदलाव करना भी बेहद आवश्यक हो जाता है। अगर आपका मेकअप व उसे लगाने का तरीका सही नहीं होगा तो आपको बूढ़ी घोड़ी लाल लगाम जैसे जुमले भी सुनने को मिल जाएंगे। तो आईए जानते हैं मेकअप करने के सही तरीकों के बारे में-

सीटीएमपी है सही

चालीस साल के बाद त्वचा ड्राई हो जाती है। ऐसे में स्किन को नरिश करने के लिए सीटीएमपी अर्थात क्लींजिंग, टोनिंग, मॉयश्चराइजिंग एंड प्रोटेक्शन आवश्यक है। क्लीजिंग के लिए आपको नरिशिंग क्लीजिंग मिल्क का इस्तेमाल करना चाहिए। यह त्वचा को डीप क्लीन करने के साथ-साथ रूखेपन से भी दूर करता है। स्किन पर एजिंग दिखने का एक मुख्य कारण ओपन पोर्स होते हैं। इन पोर्स को कम करने के लिए क्लीजिंग के बाद टोनिंग करना बेहद आवश्यक है। ध्यान रहे कि आपका टोनर एल्कोहल युक्त न हो बल्कि उसमें लाइकोपीन हो। साथ ही चेहरे की नमी को बनाए रखने के लिए मॉयश्चराइजर जरूर लगाएं। चेहरे की केयर करना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है उसकी प्रोटेक्शन। सूर्य की हानिकारक किरणें न केवल त्वचा को झुलसा देती हैं, बल्कि इनके कारण झुर्रियां, ब्राउन स्पॉट्स आदि एजिंग की निशानियां दिखाई देने लगती हैं। इसलिए इनसे बचने के लिए धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन अवश्य लगाएं।

न हो अधिक

अक्सर महिलाएं सोचती हैं कि यदि उन्हें अपने चेहरे की कमियों को छिपाना है तो इसके लिए बहुत अधिक मेकअप करना पड़ेगा। लेकिन वास्तव में उनकी यह सोच एकदम गलत है। बढ़ती उम्र में महिलाओं को हमेशा ही लेस इज मोर का फंडा अपनाना चाहिए। साथ ही मेकअप को थोपने की बजाय उसे चेहरे पर मिक्स करें ताकि वह आपकी स्किन का ही एक पार्ट लगे और आपका चेहरा बेढंगा न दिखाई दे।

लाइट है बेस्ट

आपका मेकअप सिर्फ लेस ही होना आवश्यक नहीं है, बल्कि आपकी मेकअप किट में आपको लाइट कलर को एड कर देना शुरू कर देना चाहिए। अमूमन बढ़ती उम्र में बहुत अधिक ब्राइट कलर्स अच्छे नहीं लगते। वहीं लाइट कलर आपकी पर्सनैलिटी को एक एलीगेंट लुक देते हैं। ब्लशर से लेकर लिपस्टिक तक आप पीच, लाइट ब्राउन, पिंक, मॉव कलर आदि का चयन करें। अगर आपको रेड कलर पसंद है तो आप लिपस्टिक में ब्राइट रेड की जगह डीप रेड ही लगाएं। इसके अतिरिक्त उम्र के इस पड़ाव में होंठ थोड़े पतले लगने लगते हैं, इसलिए उनका उभार बनाए रखने के लिए व उन्हें थोड़ा मोटा दिखाने के लिए लिपग्लॉस लगाना बेहतर रहता है। इससे होंठों में भी एक चमक आ जाती है।

ब्लश करेंगे चिक्स

जैसे आपका मेकअप आईस और लिप्स के मेकअप के बिना अधूरा ही रह जाता है, ठीक उसी प्रकार ब्लश के बिना भी आपका मेकअप पूरा नहीं होता। अक्सर हम मेकअप के दौरान ब्लश को नजरअंदाज ही कर देते हैं, लेकिन यदि आपके चेहरे पर बढ़ती उम्र के साइन नजर आते हैं तो ब्लश को नजरअंदाज करना आपकी बहुत बड़ी भूल साबित होगी। ब्राउन ब्लश आपके चेहरे को एक नई परिभाषा व आकार देने के लिए पर्याप्त है।

नकली लैशेज का कमाल

समय के साथ हार्मोंस में बदलाव के कारण महिलाओं के लैशेज टूटने लगते हैं। आजकल मार्केट में नकली लैशेज आसानी से अवेलेबल हैं। इन्हें लगाने से आंखों को एक नया रूप मिलता हैं। इसलिए यदि आप किसी पार्टी के तैयार हो रही हैं तो नकली लैशेज का प्रयोग करना अच्छा रहता है।

इन बातों का रखें ख्याल

खाना सिर्फ आपका पेट ही नहीं भरता बल्कि इसमें वह सभी पोषक तत्व होते हैं जो आपके शरीर के विकास में कहीं न कहीं सहायक होते हैं। अगर आप चाहती हैं कि बढ़ती उम्र में भी आपके चेहरे की रौनक बनी रहे तो आप अपने खाने का भी खास ख्याल रखें। जहां तक बात एंटी-एजिंग फूड की है तो यह उम्र के बढ़ते असर को तो कम करते हैं ही, साथ ही शरीर की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को ठीक कर शरीर के सभी क्रियाकलापों में सहायता करते हैं।

पानी शरीर के लिए किसी अमृत से कम नहीं है। इसलिए दिन में कम से कम आठ से दस गिलास पानी अवश्य पीएं। इससे शरीर डिटॉक्सीफाई होने के साथ त्वचा भी नर्म बनी रहती है। साथ ही साथ ज्यादा मीठी चीजों का सेवन न करें।

एजिंग की समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि आप अपनी फिटनेस के प्रति भी जागरूक रहें। स्वस्थ बने रहने के लिए आप साइकिलिंग, जॉगिंग, जिमिंग, स्विमिंग आदि का सहारा ले सकती हैं। इसके अतिरिक्त अपने चेहरे के प्राकृतिक सौंदर्य और तंदुरूस्ती को बरकरार रखने के लिए योग भी एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। विशेषकर चेहरे के लिए किए गए फेस योग से उम्र का असर धीमा हो जाता है।

बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास

बच्चों में नैतिक मूल्यों के विकास से मतलब है उन्हे अच्छे संस्कार देना और अपनी संस्कृति से रूबरू करवाना जिससे वे अपने साथ-साथ पूरे समाज को सही रास्ते पर ले जा सके। बच्चे हमारी परंपराओं के खेवनहार और देश का भविष्य होते हैं पर बच्चे में नैतिक मूल्यों की कमी उनके चरित्र को तबाह कर देती है और वे छोटी उम्र में ही चोरी, बेइमानी और झूठ-धोखा करने लगते हैं। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ऐसे बच्चे बड़े होने पर देश और समाज का क्या भला करेंगे?

नैतिक मूल्यों की जरूरत

कोई बच्चा पढ़ाई-लिखाई में कितना भी होशियार हो पर यदि उसमें नैतिक शिक्षा का अभाव है तो सब बेकार है। नैतिकता हमारी शख्सियत को निखारने की पहली सीढ़ी है। नैतिकता ही वह खूबी है जो हमारे सामाजिक होने की पहचान कराती है और जीवन को बेहतर ढंग से जीना सिखाती है।बच्चों को नैतिक मूल्यों की जानकारी देना इसलिए जरूरी है ताकि वे अच्छे-बुरे, सही-गलत का फर्क समझ सकें और जान सकें कि क्या करने से समाज में आदर, सराहना और प्यार मिलता है और क्या करने से नहीं।

नैतिक मूल्यों की जानकारी देने के लिए क्या करें

बच्चे को नैतिक मूल्यों की जानकारी सबसे पहले परिवार में मिलती है। सबसे पहले मां-बाप ही बच्चों में नैतिक मूल्यों के बीज रोपते हैं। परिवार में ही बच्चा संस्कार, नैतिकता और शिष्टाचार की जानकारी पाता है जिससे वह जान सके कि समाज में बड़ों के साथ, अपने मित्रों के साथ और अन्य लोगों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए।

घर का माहौल

जैसा ऊपर बताया गया है कि बच्चे का पहला स्कूल उसका घर होता है, तो सबसे पहले घर का माहौल स्नेहशील होना चाहिए। घर का माहौल खुशनुमा होना, घर में बड़ों को आदर होना, बोल-चाल में सभ्यता और सौम्यता, एक-दूसरे के प्रति लगाव जैसी बातों से बच्चे प्रेरित होते हैं और इन बातों को बड़ी जल्दी सीखते हैं।

दोस्ती-यारी का असर

जब बच्चे एक-दूसरे के साथ खेलते हैं तो यह उनमें समाजीकरण की अहसास पैदा करता है। उसके समूह में बच्चे के कुछ गलत किए जाने पर उसे एसा न करने के लिए समझाना या कुछ अच्छा करने पर उसकी प्रसंसा करना उसके आचरण और बर्ताव पर असर करता है पर बच्चों की संगत पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। बच्चा जिसके सम्पर्क में आता है, उसी का अनुसरण करता हैं। यह बात घर के बाहर भी लागू होती है। बच्चे घर से ज्यादा अपने यार-दोस्तों की संगत में सीखते हैं। अगर उसके साथियों में झूठ बोलना, चोरी करना जैसी आदतें है तो बच्चा बड़ी जल्दी उसका शिकार बनेगा।

मनोरंजन गतिविधि

बच्चों को नैतिक मूल्यों की जानकारी के लिए मौज-मस्ती और मनोरंजन का किरदार भी अहम् है। अच्छी फिल्में, टीवी प्रोग्राम, कॉमिक्स, कहानियां बच्चों के लिए स्वस्थ्य मनोरंजन का साधन होने के साथ-साथ उनके कोमल मतिष्क पर बड़ी जल्दी असर करती हैं।

माता-पिता को कोशिश करनी चाहिए कि वह बच्चों को बचपन से ही नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना शुरू करें। नैतिक मूल्यों की जानकारी बच्चों को सभ्य, चरित्रवान, कर्तव्यनिष्ठ एवं ईमानदार बनाती है।

अगर बाथरूम में रख रहे हैं टूथब्रश तो हो जाएं सावधान

आपने बचपन से सुना होगा कि दांतों की बेहतर सफाई के लिए दिन में दो बार ब्रश करना चाहिए। जब आप आराम से दिन में दो बार ब्रश करते हैं तो इससे आपको कैविटी आदि होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्वस्थ और मजबूत दांतों के लिए सिर्फ सही तरह से ब्रश करना ही काफी नहीं होता, बल्कि दांतों में इस्तेमाल किए जाने वाले टूथब्रश की यदि सही तरह से देख-रेख न की जाए तो आपके मुंह में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। तो चलिए जानते हैं कि टूथब्रश रखने का सही तरीका क्या हो-

बदलते रहें समय-समय पर

अमूमन लोग अपने ब्रश को तब तक इस्तेमाल करते हैं, जब तक उसके ब्रिसल खराब नहीं हो जाते लेकिन वास्तव में आपको हर तीन माह में अपने ब्रश को बदल लेना चाहिए। साथ ही अगर आप किसी बीमारी को हराकर उठे हैं तो भी आपको अपना ब्रश बदल लेना चाहिए ताकि वह बीमारी दोबारा आपको प्रभावित न कर सके।

न रखें बाथरूम में

वैसे तो लोग बाथरूम में ही टूथब्रश को रखते हैं लेकिन वास्तव में इन्हें बाथरूम में रखना उचित नहीं माना जाता। दरअसल, आजकल टायलेट अटैच बाथरूम का चलन है। ऐसे में अगर आपका टूथब्रश कमोड के पास होता है तो बहुत से सूक्ष्म जीवाणु आपके ब्रश पर आ जाते हैं और फिर यह आपके मुंह से शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इसलिए जहां तक हो, इसे बाथरूम में रखने से बचें। अगर आप इसे बाथरूम में रख रहे हैं तो कमोड से इसकी दूरी कम से कम दो फीट तो होनी ही चाहिए।

ऐसे रखें टूथब्रश

टूथब्रश को टूथब्रश स्टैंड में रखने का भी एक तरीका होता है। सबसे पहले तो आप हमेशा ही टूथब्रश को खड़ा करके रखें, ताकि इसमें मौजूद पानी निकल जाए और नमी के कारण आपके ब्रश में बैक्टीरिया न पनपें। इसके अतिरिक्त आप इस बात भी ध्यान रखें कि आपका टूथब्रश घर के अन्य सदस्यों के ब्रश से न टकराए। इससे एक टूथब्रश के बैक्टीरिया आसानी से दूसरे टूथब्रश में चले जाते हैं। वहीं आप कभी भी ब्रिसल को ढक कर रखने के लिए मिलने वाले बॉक्स में रखें। इससे आपके ब्रश में नमी रह जाती है और बैक्टीरिया पनपने लग जाते हैं।

जरूर करें सफाई

जिस तरह आप अपने दांतों की सफाई के लिए ब्रश का इस्तेमाल करते हैं। ठीक उसी तरह इस्तेमाल के बाद ब्रश की सफाई करना न भूलें। इसके लिए आप पानी को उबाल कर उसमें तीन-चार मिनट के लिए ब्रश को डालें। इससे ब्रश में मौजूद सभी बैक्टीरिया खत्म हो जाएंगे।

जानिए शरीर में फाइबर की कमी के क्या हैं संकेत

आपके शरीर की कार्यप्रणाली के सही तरह से संचालन के लिए जिस प्रकार आपको प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार फाइबर भी बेहद आवश्यक होता है। आमतौर पर लोग इस ओर ध्यान नहीं देते। दरअसल, फाइबर एक अपचनीय कार्बोहाइड्रेट है जो आपके शरीर को ठीक से काम करने में मदद करता है। अगर आपके शरीर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर नहीं होता तो इससे आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

बढ़ता वजन : जो लोग अपनी बॉडी और लुक को लेकर कॉन्शियस रहते हैं, उन्हें तो विशेष रूप से फाइबर की उच्च मात्रा अपने आहार में रखनी चाहिए। दरअसल, फाइबर के कारण आपको हमेशा पेट भरे होने का अहसास होता है और आप अतिरिक्त कैलोरी का सेवन करने से बच जाते हैं। इसलिए अगर अत्यधिक कैलोरी के सेवन से आपका वजन लगातार बढ़ रहा है तो यह संकेत है कि आपके शरीर में फाइबर की कमी हो गई है।

कब्ज की शिकायत : फाइबर आपके पाचन तंत्र पर व्यापक प्रभाव डालता है। अगर आपके शरीर में फाइबर की कमी हो जाती है तो इससे आपको न सिर्फ मलत्याग में परेशानी होती है, बल्कि कब्ज होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

बढ़ता कोलेस्ट्रोल : अगर आपके शरीर में कोलेस्ट्रोल का स्तर उच्च रहता है तो यह संकेत हैं कि आप अपने आहार में पर्याप्त मात्रा में फाइबर नहीं ले रहे हैं। दरअसल, फाइबर ट्राइग्लिसराइड्स कम करने में मदद करता है और साथ ही यह गुड कोलेस्ट्रोल के स्तर को भी बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त उच्च-फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ आपको ब्लड प्रेशर व हृदय संबंधी अन्य समस्याओं से भी राहत दिलाते हैं।

सुस्ती का अहसास : अक्सर जब आप हैवी भोजन करते हैं तो आपको सुस्ती का अहसास होता है। लेकिन अगर आपको हमेशा ही भोजन के बाद नींद आने का अहसास होता है और आप नैप लेते हैं तो यह भी फाइबर की कमी का संकेत है। दरअसल, फाइबर आपके रक्त में शर्करा के स्तर को स्थिर बनाए रखने के लिए आवश्यक होता है और जब यह अस्थिर होता है तो आपको हमेशा ही सुस्ती का अहसास होता है।

बार-बार भूख लगना : जैसा कि हम आपको बता चुके हैं कि फाइबर को पचाने में शरीर को समय लगता है। जिससे आपको काफी समय तक पेट भरे होने का अहसास होता है। लेकिन अगर आपको भोजन करने के कुछ देर बाद ही भूख का अहसास हो रहा है तो यह संकेत है कि आपके आहार में फाइबर की कमी है और अब आपको फाइबर युक्त भोजन करने की आवश्यकता है।

स्फूर्तिदायक मॉकटेल
गर्मियों को मात देने वाले पेय पदार्थ

तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी होने लगी है, लेकिन गर्मी दूर करने के लिए आपको हमेशा 208 कैलोरी वाली ठंडी बीयर की आवश्यक नहीं हैं। न ही जब आप बाहर से आकर घर में प्रवेश करें, तो अधिक बर्फ के साथ एक गिलास ठंडा पेय पीने की जरूरत है। इन गर्मियों में, एक स्वस्थ जीवनशैली का चयन करें और नीचे दिये गए इन मॉकटेल को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। पूरे दिन लंबे समय तक काम करने के बाद, आप इनमें से किसी भी शराब-रहित शीतल पेय को चुन सकते हैं। अपने फलों के मिश्रण को तैयार करें और इन पेय पदार्थों को बनाना सीखें :

ब्लड औरेंज एंड जिंजर सोडा

क्या आपको अपने पेय को एक चटपटे तरीके से बनाना पसंद हैं। तो कुछ नारंगी रंग के संतरे को कुचल (स्क्वैश) लें और उसमें थोड़ी सी अदरक डालें। (जिंजर सोडा तैयार करना कठिन नहीं हैं, पानी में चीनी और अदरक एक साथ डालकर उबालें और इसे छान लें, इस पानी में सोडा डालें और उसके बाद आपका जिंजर सोडा तैयार है)। पेय को और अधिक ताजा बनाने के लिए कुछ पुदीने की पत्तियों को साथ में डाल सकते हैं। शीघ्र और कम से कम समय में बहुत ही कम सामग्री के साथ बने इस पेय को आप अपने पसंदीदा पेय में से एक बना सकते हैं। आपको इसके लिए केवल ताजे संतरों की जरूरत है और ये आपकी सेहत के लिए एक बेहतर पेय हैं।

वाटरमेलन-लाइम सोडा

गर्मियों में जब प्यास बुझाने और अपने दिमाग को ठंडा करने की बात आती है तो पानी से भरपूर तरबूज से बेहतर कुछ भी नहीं है। एक जार में तरबूज के टुकड़ों का मिश्रण तैयार करें और बीजों को निकालने के लिए एक छन्नी का उपयोग करें (यदि आप इसे थोड़ हल्का बनाना चाहते हैं, तो इसकी गूदा तैयार करें)। इसके बाद, अपने स्वाद के अनुसार, स्वादयुक्त (फ्लेवरड) सोडा डालें। यदि आपके पास चीनी का मिश्रण तैयार है, तो आप इसे भी डाल सकते हैं। अंत में नींबू का रस डालें जो इसके स्वाद को और बढ़ा देगा।

कुकुम्बर मोजीतो

खीरा शरीर को ठंडा रखता है, आपने पहले भी सुना होगा। गुणों से भरपूर खीरे को राहत और शीतलता प्रदान करने के लिए जाना जाता है, इतना ही नहीं लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए खीरे के टुकड़ों का इस्तेमाल अपनी आंखों पर करते हैं। आप शराब-रहित ताजा कुकुम्बर मोजीतो भी तैयार कर सकते हैं। खीरे के रस में नींबू का रस और पुदीने की पत्तियों डालें। इन पत्तियों को सबसे ऊपर रखें। पर्यावरण की तरह हरा-भरा अपना पेय तैयार करें।

मैंगो लस्सी

आपकी गर्मियां तब तक समाप्त नहीं होती हैं जब तक आप एक स्वादिष्ट लस्सी का आनंद नहीं लेते हैं। यहाडु इसी प्रकार के ऐसे ही पेय पदार्थ के बारे में बता रही हूँ, जिसका स्वाद आपने अभी तक नहीं लिया होगा। आम, दही, पानी और चीनी (या चाशनी) को एक साथ मिलाएं। इसका स्वाद बहुत ही स्वादिष्ट होगा। यदि आपको नमकीन पेय पसंद करते हैं, तो आप इसमें चीनी के बजाय केले और थोड़ा सा नमक डाल सकते हैं। जब आप गर्म और मसालेदार भोजन कर रहे हों, तो यह पेय आपको एक अच्छा स्वाद प्रदान करेगा।

वाइल्डकैट कूलर

ऐसा कौन है जो ब्लूबेरी पसंद नहीं करता होगा? थोड़े पानी में चीनी और ब्लूबेरी एक साथ उबालकर शरबत बनाएं। सबसे पहले, आपको इस पेय में स्वाद लाने के लिए एक गिलास में नींबू का रस डालना होगा और फिर उसमें 1 या 2 औंस (लगभग 50 ग्राम) ब्लूबेरी शरबत डालें। इसके बाद, गिलास को पानी से भर दें। बर्फ और पुदीने की पत्तियों को इसके ऊपर रखें और आपका वाइल्डकैट कूलर पेय तैयार है।

यदि आपके बच्चे सॉफ्ट ड्रिंक के आदी हैं, तो ये पेय पदार्थ स्वस्थ विकल्प के रूप में कार्य करेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बच्चे ठंडक प्रदान करने वाले इस स्वादिष्ट पेय को पीना पसंद करेंगे और बाजार में उपलब्ध अन्य स्वाद वाले पेय को पीने से बचेंगे। अपने रसोईघर में थोड़े नए पेय पदार्थ बनाये और बिल्कुल भी हैरान न हों, जब आपके दोस्त अगले दोपहर के भोजन पर आपकी प्रशंसा करें।

एफआईएच प्रो लीग खेलों को गंभीरता से ले भारतीय हॉकी टीम: कोच रीड

बेंगलुरू । भारतीय पुरुष हॉकी के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने शनिवार को कहा कि टीम के प्रत्येक व्यक्ति को दक्षिण अफ्रीका और फ्रांस के खिलाफ आगामी एफआईएच प्रो लीग मैचों को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि ये उनका पहला मैच है।

भारत दक्षिण अफ्रीका और फ्रांस के खिलाफ प्रो लीग मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करेगा, जो आठ फरवरी से 13 फरवरी के बीच पोटचेफस्ट्रूम में होने वाला है। मैचों से पहले, रीड ने दो विरोधी टीमों के बारे में भी बात की और बताया कि यह एक चुनौतीपूर्ण दौरा क्यों होगा।

रीड ने शनिवार को कहा, दक्षिण अफ्रीका के मैच उनके अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस की खिताबी जीत के बाद आएंगे। उन्होंने जो पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में जो शुरू किया था उसे जारी रखने के इच्छुक होंगे।

उन्होंने कहा, फ्रांस हॉकी में एक उभरता हुआ देश है जिसने जूनियर विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया था। उनके पास फ्रेड सोएज में एक नए कोच भी हैं। ये दो बहुत ही कठिन और चुनौतीपूर्ण दौरे होंगे।

भारत ने चार मैचों के लिए एक अनुभवी टीम चुनी है, जिसमें गोलकीपर पीआर श्रीजेश, अमित रोहिदास और मनदीप सिंह जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी पिछले महीने बांग्लादेश में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में वापसी कर रहे हैं।

हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी और हर कोई यह समझे कि हम इन खेलों को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। हमने जो टीम चुनी है, वह उसी का प्रतिबिंब है। हम उन खिलाड़ियों को भी चाहते हैं जिन्हें ओलंपिक के बाद से खेलने का अवसर नहीं मिला है।

भारत के कप्तान मनप्रीत सिंह ने मैचों के महत्व के बारे में बात की और कहा कि प्रतिद्वंद्वियों को कम करके नहीं आंका जा सकता है।

युवा खिलाड़ी जुगराज सिंह और अभिषेक को भी पहली बार टीम में शामिल किया गया है और अगर बेंच में चुने जाते हैं तो दौरे पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करेंगे।

रीड ने कहा, जुगराज एक बहुमुखी खिलाड़ी है क्योंकि वह मिडफील्ड और रक्षा दोनों में खेलते हैं। अभिषेक एक स्ट्राइकर है जिसने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में काफी गोल किए। वह हमारे पास ट्रायल खेलों में काफी शानदार था। इन दोनों लोगों के लिए डेब्यू करना रोमांचक रहेगा।

मिशेल स्टार्क और एशले गार्डनर को सर्वश्रेष्ठ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पुरस्कारो से नवाजा गया

सिडनी। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और महिला टीम की एशले गार्डनर को सर्वश्रेष्ठ ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पुरस्कारों से नवाजा गया है, जो 2021 के लिए देश के प्रमुख पुरुष और महिला खिलाड़ी बनकर उभरे हैं।

स्टार्क को वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड भी दिया गया था। उन्होंने ऑलराउंडर मिशेल मार्श को एक अंक से हराकर प्लेयर ऑफ द ईयर मेडल जीता। स्टार्क दिग्गज ग्लेन मैकग्राथ, ब्रेट ली, मिशेल जॉनसन और पैट कमिंस के बाद इस सम्मान को हासिल करने वाले पांचवें ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बने।

पिछले साल जनवरी में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के निराशाजनक अंत के बाद, ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में स्टार्क पर सवाल खड़े हो रहे थे। लेकिन एशेज में मौका मिलने के बाद, उन्होंने एक यादगार वापसी की, स्टार्क ने पांच टेस्ट मैचों में 25.36 से 19 विकेट लिए। कुल मिलाकर, स्टार्क ने पिछले साल में सभी प्रारूपों में 24.4 के औसत से 43 विकेट लिए।

क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार, पुरस्कार विजेताओं का फैसला पूरे साल खिलाड़ियों, अंपायरों और मीडिया प्रतिनिधियों के वोटों से किया गया और शनिवार को कैनबरा के मनुका ओवल में महिला एशेज टेस्ट के लंच ब्रेक के दौरान उन्हें पदक और ट्राफियां दी गईं।

महिला टीम से ऑलराउंडर गार्डनर ने बेथ मूनी पर सात वोटों के अंतर से बेलिंडा क्लार्क पदक जीता। गार्डनर को बल्ले और गेंद दोनों के साथ उनकी निरंतरता के लिए पुरस्कृत किया गया। वो इस साल ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाली शीर्ष-तीन बल्लेबाजों की सूची के साथ सभी प्रारूपों में सर्वाधिक विकेट लेने वाली शीर्ष पांच गेंदबाजों की सूची में भी शामिल हैं।

गार्डनर ने 10 पारियों में 35.10 की औसत से 281 रन बनाए, जिसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। साथ ही उन्होंने नौ विकेट भी लिए।

2021/22 के लिए प्रमुख पुरस्कार विजेता :

बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार : एशले गार्डनर (54 वोट)

उपविजेता- बेथ मूनी (47) और एलिसा हीली (39)।

एलन बॉर्डर मेडल : मिशेल स्टार्क (107 वोट), मिशेल मार्श (106) और ट्रेविस हेड (72)।

पुरुष टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर : ट्रेविस हेड (12 वोट); स्कॉट बोलैंड (10) और मिशेल स्टार्क (7)।

महिला वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर : एलिसा हीली (13 वोट), राचेल हेन्स (10) और मेगन शुट्ट (10)।

मेन्स वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर : मिशेल स्टार्क (15 वोट), मैथ्यू वेड (6), एडम जम्पा और एलेक्स कैरी (4)।

महिला टी20 प्लेयर ऑफ द ईयर : बेथ मूनी (13 वोट), ताहलिया मैकग्राथ (10) और एशले गार्डनर (6)।

पुरुष टी20 प्लेयर ऑफ द ईयर : मिशेल मार्श (53 वोट), जोश हेजलवुड (29) और एश्टन एगर (26)।

पीकेएल 8 : दूसरे भाग में पटना पाइरेट्स का सामना गुजरात जायंट्स से होगा

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने सोमवार से शुरू हो रहे सीजन 8 के शेड्यूल का अगला भाग जारी कर दिया है। मौजूदा सीजन के अगले भाग में कुछ बड़े मुकाबले देखने को मिल सकते हैं।

पटना पाइरेट्स, गुजरात जायंट्स, यूपी योद्धा और अन्य के खिलाफ खेलकर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) मैचों को फिर से शुरू करेगा, जबकि तमिल थलाइवाज का सामना ग्रेट सदर्न डर्बी में बेंगलुरु बुल्स और तेलुगु टाइटन्स से होगा।

यहां व्हाइटफील्ड के शेरेटन ग्रांड होटल और कन्वेंशन सेंटर में बायो बबल में खेले जाने वाले आगामी कार्यक्रम के सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे से शुरू होंगे।

मौजूदा अंक तालिका के अनुसार, बेंगलुरु बुल्स 46 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है, जबकि पटना पाइरेट्स 45 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

प्रो कबड्डी लीग के आगामी मैचों का शेड्यूल :

जनवरी 31 सोमवार : हरियाणा स्टीलर्स बनाम गुजरात जायंट्स और दबंग दिल्ली केसी बनाम यू मुंबा।

1 फरवरी मंगलवार : बंगाल वारियर्स बनाम गुजरात जायंट्स और बेंगलुरु बुल्स बनाम यूपी योद्धा।

2 फरवरी बुधवार :यूपी योद्धा बनाम पटना पाइरेट्स और पुनेरी पलटन बनाम यू मुंबा।

3 फरवरी गुरुवार : जयपुर पिंक पैंथर्स बनाम दबंग दिल्ली केसी और तेलुगु टाइटन्स बनाम तमिल थलाइवाज।

4 फरवरी शुक्रवार : हरियाणा स्टीलर्स बनाम बंगाल वारियर्स, दबंग दिल्ली केसी बनाम बेंगलुरु बुल्स और गुजरात जायंट्स बनाम पटना पाइरेट्स।

5 फरवरी शनिवार: यू मुंबा बनाम तमिल थलाइवाज, यूपी योद्धा बनाम तेलुगु टाइटन्स और पुनेरी पलटन बनाम जयपुर पिंक पैंथर्स।

6 फरवरी रविवार :पटना पाइरेट्स बनाम बंगाल वारियर्स, बेंगलुरु बुल्स बनाम गुजरात जायंट्स और हरियाणा स्टीलर्स बनाम पुनेरी पलटन।

अपनी बल्लेबाजी पूरा भरोसा :नाइट

कैनबरा। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने शनिवार को कहा कि वह मनुका ओवल में एकमात्र एशेज टेस्ट के तीसरे दिन नाबाद 168 रनों की पारी से संतुष्ट हैं, जिससे इंग्लैंड की टीम 297 रन बना सकी।

नाइट के करियर के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर ने उसके आत्मविश्वास को और बढ़ाया है। उन्होंने मैदान पर पिछली छह पारियों में 534 रन बनाए, जिसमें दो शतक शामिल हैं।

नाइट ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रही हूं, क्योंकि मैंने पिछले कुछ मैचों से बहुत प्रगति की है और मैंने कुछ तकनीकी बदलाव किए हैं। मुझे इस समय अपनी बल्लेबाजी पर वास्तव में भरोसा है और मुझे ऐसा लगता है मैं अलग-अलग परिस्थितियों के अनुकूल हो सकती हूं।

उन्होंने कहा, मेरी ताकत में से एक हमेशा मेरी मानसिकता रही है और इसे मैं लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हूं। इस संबंध में, मुझे लगता है कि मैं टेस्ट क्रिकेट

के लिए काफी उपयुक्त हूं, इसलिए मैं खुश हूं कि मैं उस तरह की पारी खेल पाई, खासकर जब टीम को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी।

बारिश से पहले तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया को 12 रनों पर दो झटके देने में कामयाब रहा। एलिसा हीली और रशेल हेन्स दोनों आउट होकर पवेलियन जा चुकी हैं। इससे नाइट ने खुशी जताई है, क्योंकि सीनियर पेसर कैथरीन ब्रंट ने ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती झटके दिए।

नाइट ने कहा, मुझे लगता है कि हमने खुद को वास्तव में एक अच्छी स्थिति में ला दिया है। लंच से ठीक पहले हम जिस तरह से मैदान पर आए, उसी तरह से खिलाड़ियों ने बेहतर भी किया। अन्या श्रबसोल और कैथरीन ब्रंट शानदार थीं। उन्होंने शानदार गेंदबाजी की।

अंडर-19 सीडब्ल्यूसी : पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा ऑस्ट्रेलिया

एंटीगुआ। टीग वायली (71) और कोरी मिलर (64) ने शानदार बल्लेबाजी करके शनिवार को यहां सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में अंडर-19 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के सुपर लीग में पाकिस्तान को 119 रनों से हराकर ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में जगह बनाने में मदद की।

कूपर कोनोली की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया टीम इंग्लैंड और अफगानिस्तान के पहले बर्थ हासिल करने के बाद अंतिम-चार में जगह बनाने वाली तीसरी टीम बन गई।

वाइली और मिलर के अर्धशतक साथ ही कैंपबेल केलावे के 47 रनों की वजह से ऑस्ट्रेलिया 50 ओवरों में 276/7 रन बनाने सफल रहा और यह पाकिस्तान के लिए बहुत अधिक साबित हुआ। तीसरे विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी को छोड़कर, पाकिस्तान अपने लक्ष्य का पीछा करने में शुरुआत से ही पीछे रहा और अंत में 157 रनों पर आलआउट हो गया।

पाकिस्तान ने टॉस जीता और गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन जल्द ही उसे अपने फैसले पर पछतावा हुआ, क्योंकि केलवे और वायली ने शुरुआती विकेट के लिए 86 रन जोड़ दिए। केलवे कासिम अकरम (3/40) की गेंद पर आउट हो गए, इसके बाद मिलर ने 75 गेंदों में 64 रनों की पारी खेली।

दोनों के बीच 101 की साझेदारी को अली ने तोड़ा, जिन्होंने वायली को आउट कर पवेलियन भेज दिया। मिलर भी जल्द ही आउट हो गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट के नुकसान पर 203 रन पर बनाए, जिसमें केवल 10 ओवर शेष थे। कप्तान कोनोली ने 33 रन और विलियम साल्जमैन ने सातवें नंबर पर 14 गेंदों में 25 रनों की तेज पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने एक अच्छा स्कोर बोर्ड पर लगाया। पाकिस्तान को जीतने के लिए 277 रन बनाने थे।

हालांकि, लक्ष्य का पीछा करना पाकिस्तान के लिए बहुत कठिन था, क्योंकि मुहम्मद शहजाद और हसीबुल्लाह खान दोनों पांचव ओवर के भीतर ही आउट हो गए, जिससे पाकिस्तान का स्कोर दो विकेट पर 27 रन पहुंच गया। इसके बाद, तीसरे विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी को छोड़कर, पाकिस्तान अपने लक्ष्य का पीछा करने में शुरुआत से ही पीछे रहा और अंत में 157 रनों पर आलआउट हो गया।

अब ऑस्ट्रेलिया का सामना भारत और गत चैंपियन बांग्लादेश के बीच शनिवार को होने वाले फाइनल सुपर लीग क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

एशियाई खेलों के लिए भारत ने शतरंज के खिलाड़ियों की सूची बनाई, आनंद बने मेंटर

नई दिल्ली। शतरंज की एशियाई खेलों में 12 साल बाद वापसी हो रही है। ऐसे में अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) को उम्मीद है कि आठ महीने बाद शुरू होने वाले टूर्नामेंट में खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

एशियाई खेल चीनी शहर हांग्जो में 10 सितंबर से शुरू होने वाला है और शतरंज को दो सीजनों 2014 इंचियोन और 2018 जकार्ता के बाद वापस शामिल किया गया। यह खेल 2010 के ग्वांगझोउ पाठ्यक्रम का हिस्सा था, जब भारत की पुरुष टीम और महिला खिलाड़ी ने कांस्य पदक जीता था।

खेल में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2006 के दोहा एशियाई खेलों में आया, जब उन्होंने दो स्वर्ण जीते, जिसमें कोनेरू हम्पी ने महिलाओं की रैपिड व्यक्तिगत स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

गुआंगझोउ खेलों से बड़ा बदलाव लाने के उद्देश्य से एआईसीएफ ने पुरुष और महिला

वर्ग में 10 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया है। टीम का चयन उनकी अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग के आधार पर किया गया है। गुजराती, पी हरिकृष्ण, निहाल सरीन, एसएल नारायणन, के शशिकिरन, बी अधिबान, कार्तिकेयन मुरली, अर्जुन एरिगैसी, अभिजीत गुप्ता और सूर्य शेखर गांगुली ने पुरुषों की टीम वर्ग में जगह बनाई है।

महिला टीम का चयन के हम्पी, डी हरिका, वैशाली आर, तानिया सचदेव, भक्ति कुलकर्णी, वंतिका अग्रवाल, मैरी एन गोम्स, सौम्या स्वामीनाथन और ईशा करावड़े में से किया जाएगा।

खेलों में दिग्गज ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद टीम में मेंटोर की भूमिका निभाएंगे। उनके और खिलाड़ियों के बीच पहला सत्र तीन फरवरी से शुरू होगा।

खेलों में शतरंज प्रतियोगिता 11 सितंबर से शुरू होगी और दो प्रारूपों में खेली जाएगी। पुरुषों और महिलाओं के लिए व्यक्तिगत इवेंट 11 से 14 सितंबर तक रैपिड टाइम कंट्रोल में खेला जाएगा।

नडाल के साथ मुकाबले से पहले मुझ पर कोई दबाव नहीं : मेदवेदेव

मेलबर्न। दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव ने शनिवार को कहा है कि उन्हें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है और रविवार को स्पेनिश दिग्गज राफेल नडाल के खिलाफ ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताबी मुकाबले से पहले उन पर कोई दबाव नहीं है।

अगर नडाल खिताब जीत जाते हैं तो 21 एकल ग्रैंड स्लैम जीतने वाले इतिहास के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे।

मेदवेदेव ने शुक्रवार को चौथी वरीयता प्राप्त ग्रीक स्टेफानोस सितसिपास पर 7-6(5), 4-6, 6-4, 6-1 से जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई थी। 2021 यूएस ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराने वाले रूसी अगले ग्रैंड स्लैम इवेंट में अपने पहले खिताब को

अपने नाम करने के लिए बेताब होंगे।

मेदवेदेव ने कहा, मेरे ऊपर वास्तव में ज्यादा दबाव नहीं है। मुझे पता है कि जब मैं अच्छा खेल रहा होता हूं तो मैं क्या करने में सक्षम होता हूं। मुझे पता है कि मैं किसी को भी हरा सकता हूं। ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस के खिलाफ दूसरा मुकाबला थोड़ा खतरनाक था। लेकिन इसने मुझे अपनी ताकत पर अपने खेल में बहुत विश्वास दिलाया।

उन्होंने आगे कहा, मुझे पता है कि यूएस ओपन के बाद मैं लगातार सात मैच जीतने में सक्षम रहा हूं और नोवाक के खिलाफ आखिरी मैच शानदार था। इसलिए, मुझे इस टूर्नामेंट से पहले पता था कि यह संभव है। यही मैं साबित करने के लिए कोशिश कर रहा हूं।

पाकिस्तान में आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर का होगा शानदार स्वागत : ज्योफ लॉसन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ज्योफ लॉसन का मानना है कि सीनियर टीम का मार्च में पाकिस्तान का दौरा बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर पाकिस्तान का दौरा करेंगे, तो उनका शानदार स्वागत किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया को तीन टेस्ट, तीन वनडे और एक टी20 खेलना है, इस दौरे की शुरुआत 3 मार्च से होनी है, जो 24 साल बाद ऑस्ट्रेलिया की पहली पाकिस्तान यात्रा है।

लॉसन ने शनिवार को द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड में लिखा, एमसीजी में बॉक्सिंग डे, एडिलेड ओवल डे-नाइट टेस्ट यह सब ऑस्ट्रेलिया के संस्कृतियों, धर्मों और भाषाओं को उजागर करते हैं। ऑस्ट्रेलिया जीत या हार अप्रासंगिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप पूरी क्षमता के साथ देश के लिए खेलते हैं। आप वास्तव में क्रिकेट बिरादरी के सदस्य हैं।

लॉसन ने कहा, मैं टेस्ट मैच के हर दिन गद्दाफी स्टेडियम में 30,000 प्रशंसकों के आने की उम्मीद करता हूं। यह क्रिकेट की दुनिया के महान स्टेडियमों में से एक है। वे उनका समर्थन करेंगे।

लॉसन ने बताया कि कैसे ऑस्ट्रेलिया को 2019 के बाद से टेस्ट के लिए विदेशी दौरे के

लिए समय नहीं मिला, विशेष रूप से 1998 से पाकिस्तान के खिलाफ।

उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने घर पर ही कोविड-19 महामारी में टेस्ट सीरीज खेले है। 2019 में एशेज के बाद से विदेशी धरती पर कम टेस्ट खेले हैं, क्योंकि महामारी के कारण विदेशी धरती पर खेलना आसान नहीं रहा है।